# मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

रांची, मंगलवार, 20 मई 2025

संवत 2082, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष-07 - मूल्य 2 रुपये

वर्ष-8, अंक 255 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

सांध्य दैनिक


4 ▸▸ प्लेसमेंट और पैकेज की समस्या से जूझते आज के युवा

मल्लिका शेरावत का हेल्थ फंडा ◂◂ 6

# पति ने पत्नी को मारी गोली ,मौत

## ● चार महीने पहले हुई थी शादी ● पति का किसी और महिला से था अवैध संबंध

संवाददाता

**पलामू:** पाटन थाना क्षेत्र के नौडीहा गांव में पति ने पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। घटना के बाद आरोपी पति और उसका परिवार फरार हो गया। हत्या की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल भेज दिया।

दरअसल, पलामू के मेदिनीनगर निवासी सिमरन की शादी, पाटन के नौडीहा गांव के विनीत सिंह के साथ फरवरी में हुई थी। शादी के बाद से ही विनीत सिंह के किसी दूसरी महिला के साथ अवैध संबंध को लेकर सिमरन परेशान चल रही थी। इस बीच सोमवार को भी विनीत सिंह के दूसरे संबंध को लेकर सिमरन के साथ विवाद हुआ था। जहां रात में सिमरन की गोली मारकर हत्या कर दी गई। गोली मारने का आरोप सिमरन के पति विनीत सिंह पर लगा है। सिमरन के सीने में दो गोली लगी थी और उसके मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद

विनीत सिंह और उसका पूरा परिवार फरार हो गया।

विनीत सिंह का किसी दूसरी लड़की के प्रेम संबंध था, जिसका विरोध उसकी पत्नी कर रही थी। घटना के समय दोनों के बीच इसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। इसी झगड़े में विनीत सिंह ने अपनी पत्नी की गोली मारकर हत्या कर दी। हत्या के आरोपी पति को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस कई इलाकों में छापेमारी कर रही है। शव का पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भेजा गया है- लालजी, थाना प्रभारी, पाटन

इधर, घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में परिजन भी मौके पर पहुंच गए। गोली लगने के बाद सिमरन को ससुराल पक्ष के लोगों ने ही उसे अस्पताल पहुंचाया था।

## डिमना लेक में डूबे दो किशोर, एक का शव बरामद, नहाने के दौरान हुआ दर्दनाक हादसा

**जमशेदपुर:** जिले से एक दर्दनाक हादसे की खबर सामने आ रही है। दरअसल यहां सोमवार शाम डिमना लेक में दो छात्र डूब गए। वहीं आज एक छात्र का शव बरामद कर लिया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, बोड़ाम थाना क्षेत्र के कुटिमाकली गांव स्थित डिमना के टापू के पास की है। लेक से एक बच्चे का शव आज बरामद कर लिया गया है। बरामद छात्र की पहचान 15 वर्षीय प्रतीक रजक के रूप में हुई है। वहीं जिस छात्र की खोज जारी है उसकी पहचान 18 वर्षीय नितिन गोराईं के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों बच्चे उलीडीह थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि सोमवार शाम करीब 4 बजे पांच दोस्त डिमना लेक में नहाने पहुंचे थे। इस दौरान दो बच्चे गहरे पानी में डूब गए। इधर, घटना की सूचना पाकर पुलिस और लापता बच्चों के परिवार वाले मौके पर पहुंचे। साथ वहां बहुत सारे लोगों की भीड़ जमा हो गई। वहीं अभी एक बच्चे का शव बरामद हुआ, दूसरे की छानबीन जारी है।

## रांची की कनिका अनभ आईएफएस की परीक्षा में बनी नेशनल टॉपर

संवाददाता

**रांची:** संघ लोक सेवा आयोग ने भारतीय वन सेवा परीक्षा 2024 का फाइनल रिजल्ट जारी किया। इसमें रांची की बेटी कनिका अनभ ऑल इंडिया टॉपर बनी हैं। उन्होने यह सफलता तीसरे प्रयास में हासिल किया है। यूपीएससी ने अपनी वेबसाइट की पूरी लिस्ट जारी की है। जिसमें पहले स्थान पर रांची की कनिका अनभ, दूसरे स्थान पर अनिल कुमार आनंद खंडेलवाल और तीसरे स्थान पर अनुभव सिंह है।

इस बार 143 अभ्यर्थियों को सफलता मिली है। सामान्य श्रेणी से 40, ईडब्ल्यूएस से 19, ओबीसी श्रेणी से 50, एससी से 23, एसटी से 11 समेत कुल 143 उम्मीदवारों ने सफलता पाई है। यह परीक्षा 24 नवंबर 2024 से 1 दिसंबर 2024 तक ली गई थी।

**वीडियो हो रहा है वायरल:** नेशनल टॉपर बनी कनिका अनभ 2014 में रांची के जेवीएम श्यामली की बॉयोलॉजी सेक्शन से पासआउट हुई। वे बचपन से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं और उनकी यह सफलता पूरे स्कूल समुदाय के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

जेवीएम श्यामली के प्रिंसिपल समरजीत जना ने इस उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा यह हमारे विद्यालय के लिए अत्यंत गर्व और हर्ष का क्षण है। कनिका ने अपनी मेहनत, लगन और समर्पण से यह मुकाम हासिल किया है। उनकी सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए एक प्रेरणादायक उदाहरण है। हम उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं।

### देश में फिर कोरोना की दहशत!

## मुंबई में 53 मरीज मिले पॉजिटिव, 2 की मौत, अलर्ट पर विभाग

**मुंबई :** मुंबई में एक बार फिर कोरोना संक्रमण ने रफ्तार पकड़ ली है। बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) क्षेत्र में अब तक कुल 53 कोरोना पॉजिटिव मरीजों की पुष्टि हो चुकी है, जिससे स्वास्थ्य विभाग की चिंता बढ़ गई है। वहीं, संक्रमण के चलते दो मरीजों की मौत भी दर्ज की गई है। हालांकि, दोनों ही मरीज पहले से गंभीर बीमारियों से ग्रस्त थे–एक को मुंह का कैंसर था और दूसरा नेफ्रोटिक सिंड्रोम से पीड़ित था। दोनों ही मरीजों का इलाज मुंबई के केईएम अस्पताल में चल रहा था।

: बीएमसी ने कोविड मरीजों की संख्या बढ़ते देख अपने अस्पतालों में विशेष बिस्तर और

अलग कमरे तैयार किए हैं। सेवन हिल्स अस्पताल में 20 टक्कव बेड, 20 बेड बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए तथा 60 सामान्य बिस्तरों की व्यवस्था की गई है। कस्तूरबा अस्पताल में फिलहाल 2 कव्व बेड और 10 बेड का वार्ड मौजूद है। प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि जरूरत पड़ने पर यह क्षमता और बढ़ाई जा सकती है।

जनवरी 2025 से अप्रैल 2025 तक कोविड मामलों की संख्या बेहद कम थी, लेकिन मई के पहले सप्ताह से इसमें बढ़ोतरी देखी गई है। बीएमसी ने नागरिकों से अपील की है कि वे घबराएं नहीं, लेकिन सतर्क रहें और लक्षण दिखने पर तुरंत चिकित्सा सहायता लें।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, कोविड-19 के सामान्य लक्षणों में शामिल हैं- बुखार, सूखी या कफ के साथ खांसी, गले में खराश, थकावट और शरीर में दर्द, सिरदर्द, कभी-कभी नाक बहना, सर्दी, गंध या स्वाद का न आना। यदि किसी व्यक्ति को सांस लेने में कठिनाई जैसी समस्या होती है तो यह गंभीर स्थिति का संकेत हो सकता है। ऐसी स्थिति में मरीज को तुरंत अस्पताल ले जाना आवश्यक है।

## राजधानी एक्सप्रेस को पलटने की रची गयी साजिश लोको पायलटों की सतर्कता से टला बड़ा हादसा

**नई दिल्ली:** कुछ उपद्रवी काफी समय से कुछ न कुछ साजिशें रच रहे हैं ताकि भारतीय रेलवे को बड़ा नुकसान पहुंचे। पिछले कई महीनों में देखा गया कि कई रेल हादसे होते होते बचें हैं। कभी पटरी पर सिलेंडर रखा गया तो कभी पत्थर आखिर यह कौन कर रहा है। अब ताजा मामला उत्तर प्रदेश के हरदोई से आया है जहां इस बार लगता है उपद्रवियों ने राजधानी एक्सप्रेस को पलटने की साजिश रची थी। उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले में लोको पायलटों की सतर्कता के कारण राजधानी एक्सप्रेस समेत दो ट्रेनों को पटरी से उतारने की कोशिश नाकाम कर दी गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने दावा किया कि सोमवार शाम को अज्ञात बदमाशों ने दलेलनगर और उमरताली स्टेशनों के बीच पटरी पर अथिंग वायर का इस्तेमाल कर लकड़ी का गुटखा बांध दिया। पुलिस ने बताया कि दिल्ली से असम के डिब्रूगढ़ जा रही राजधानी एक्सप्रेस (20504) के लोको पायलट ने अवरोध को देखकर इमरजेंसी ब्रेक लगाया। लोको पायलट ने अवरोध को हटाया और रेलवे अधिकारियों को सूचित किया। राजधानी एक्सप्रेस के बाद काठगोदाम एक्सप्रेस (15044) को पटरी से उतारने की दूसरी कोशिश की गई। पुलिस ने बताया कि लोको पायलट की सजगता के कारण घटना टल गई और कोई अनहोनी नहीं हो पाई। पुलिस अधीक्षक नीरज कुमार जादौन ने सोमवार शाम को घटनास्थल का दौरा किया और आवश्यक निर्देश जारी किए। उन्होंने पुष्टि की कि राजकीय रेलवे पुलिस, रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय पुलिस की टीम घटना की जांच कर रही हैं।

### 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सेना अधिकारी का बड़ा खुलासा

## 'इंडिया पूरे पाकिस्तान पर हमला कर सकता है'

**नई दिल्ली:** सेना वायु रक्षा महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल सुमेर इवान डी'कुन्हा ने भारत की सैन्य शक्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देश में पाकिस्तान के पूरे अंदरूनी हिस्से में लक्ष्यों पर हमला करने की क्षमता है, उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' का हवाला दिया। समाचार एजेंसी एएनआई के साथ एक साक्षात्कार में लेफ्टिनेंट जनरल डी'कुन्हा ने कहा, पूरा पाकिस्तान इसकी सीमा में है। उन्होंने कहा कि भले ही पाकिस्तान अपने सेना मुख्यालय (जीएचक्यू) को रावलपिंडी से खैबर पख्तूनख्वा (केपीके) जैसे क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दे, लेकिन उसे एक गहरा गड्ढा खोजना होगा।

**पूरे पाकिस्तान पर हमला करनी की ताकत रखता है**

**भारत- शीर्ष भारतीय सेना अधिकारी :** सेना अधिकारी ने कहा भारत के पास पाकिस्तान से पूरी तरह निपटने के लिए पर्याप्त हथियार हैं। इसलिए, चाहे वह सबसे बड़ा हो या सबसे छोटा, चाहे वह कहीं भी हो, पूरा पाकिस्तान हमारी सीमा के भीतर है। जीएचक्यू (जनरल हेडक्वार्टर) रावलपिंडी से केपीके (खैबर पख्तूनख्वा) या जहां भी वे जाना चाहें, जा सकते हैं, लेकिन वे सभी हमारी सीमा के भीतर हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच हाल ही में हुए सैन्य तनाव में, भारतीय सेना ने कई पाकिस्तानी हवाई ठिकानों को निशाना बनाया, खासकर सीमा पर। हालांकि, रक्षा मंत्री ने कहा कि इसका असर रावलपिंडी में भी महसूस किया गया, जहां पाकिस्तानी सेना का मुख्यालय स्थित है। इस ऑपरेशन की सफलता का श्रेय लंबी दूरी के ड्रोन और सटीक-निर्देशित युद्ध सामग्री सहित उन्नत स्वदेशी तकनीक के इस्तेमाल को दिया गया।

**पाकिस्तान ने चार दिनों में पश्चिमी सीमा पर 800 से 1000 ड्रोन लॉन्च किए:** डी'कुन्हा ने कहा कि पाकिस्तान ने चार दिनों में पश्चिमी सीमा पर लगभग 800 से 1000 ड्रोन लॉन्च किए थे, और सेना, नौसेना और वायु सेना के समन्वित प्रयासों से हथियार ले जाने वाले सभी ड्रोन को सफलतापूर्वक रोका गया और नष्ट कर दिया गया। अधिकारी ने कहा एक बात तो पक्की है कि सभी मानवरहित लड़ाकू हवाई वाहन [यूसीएवी] जो पेलोड ले गए थे, हालांकि उनका इरादा हमारी नागरिक आबादी को नुकसान पहुँचाने का था और उन्हें आबादी वाले केंद्रों की ओर निर्देशित किया गया था, हमने सुनिश्चित किया कि वे कोई नुकसान न पहुँचाएँ, और मुझे लगता है कि इसका सबूत वास्तव में हमने जो देखा, उसमें है कि कोई भी नागरिक हताहत नहीं हुआ।

## निजी बस और लॉरी के बीच भीषण टक्कर, चार की मौत, दर्जनों घायल

**विकाराबाद (तेलंगाना) :** तेलंगाना के विकाराबाद जिले में मंगलवार तड़के एक निजी बस के खड़ी लॉरी से टकरा जाने से चार लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला मंडल के चेनवेल्ली गांव के 60 लोगों का एक समूह परिगी में एक डिनर पार्टी में शामिल होने के बाद बस से घर लौट रहा था, तभी परिगी मंडल के रंगपुर के पास बीजापुर-हैदराबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर यह दुर्घटना हुई। एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य ने परिगी सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने बताया कि गंभीर रूप से घायल लोगों को बाद में बेहतर चिकित्सा देखभाल के लिए हैदराबाद के उस्मानिया सरकारी सामान्य अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया।

## शादी समारोह में आयी किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म, पांच गिरफ्तार

**दुमका:** जिला के मुफस्सिल थाना क्षेत्र अन्तर्गत एक गांव में एक किशोरी के साथ सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी पांच आरोपियों को शिकंजे में ले लिया है।

**शादी समारोह में आई थी लड़की:** मुफस्सिल थाना क्षेत्र के एक गांव में शादी समारोह में आयी एक 16 वर्षीय किशोरी के साथ सुनसान जंगल में ले जाकर पांच लड़कों ने उसके साथ दरिंदगी बरती। पीड़िता के बयान पर पांच युवकों रंजीत टुडू, सरुण ऊर्फ बिट्टू हेम्ब्रम, सुरमी उर्फ बोनी टुडू, जॉनी मुर्मू और अनिल हेम्ब्रम के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी गई।

इस पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गांव में छापेमारी की और नामजद पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार पीड़िता दुमका के ही शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र की रहने वाली है। वह अपने जीजा और बहन के साथ मुफस्सिल थाना अन्तर्गत एक गांव में एक रिश्तेदार की शादी समारोह में शामिल होने के लिए आयी थी।

किशोरी जिस घर में आयी थी, वहां पर सोने के लिए जगह नहीं थी। इसलिए वह पड़ोस के एक घर में सोने के लिए चली गई। उस पड़ोस के घर में गांव का ही रंजीत टुडू भी सोया हुआ था। किशोरी को अकेले देख रंजीत उसे सुनसान जगह पर ले जाकर उसके साथ दुराचार किया। जिसके बाद उसने अपने चार अन्य साथियों को भी बुला लिया।

किशोरी किसी तरह से अपने रिश्तेदार के घर पहुंची और आपबीती सुनाई। थोड़ी देर में घटना की जानकारी पूरे गांव को हो गई। ग्रामीणों ने सभी आरोपियों की पहचान की और उनसे पूछताछ की। बाद में ग्रामीणों ने पीड़ित परिवार को थाना भेज दिया। वे थाना पहुंचे और पांचों आरोपियों के विरुद्ध लिखित शिकायत की।

# नये लॉ ग्रेजुएट्स अब सीधे नहीं बन पाएंगे जज, सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

**नई दिल्ली :** सुप्रीम कोर्ट ने सिविल जज कैडर में प्रवेश को लेकर एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि नई डिग्री लेने वाले छात्र सीधे न्यायिक सेवा परीक्षा में शामिल नहीं हो सकते। उनके लिए कम से कम 3 साल का कानूनी अभ्यास अनिवार्य होगा। इस फैसले से न्यायिक भर्ती प्रक्रिया में बड़ा बदलाव आएगा और यह देशभर के हजारों लॉ ग्रेजुएट्स को प्रभावित करेगा।

**क्यों जरूरी है अनुभव? :** इससे पहले सुनवाई के दौरान, मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने उन आठ मुद्दों पर बात की थी जिन पर विचार किया गया।

उन्होंने बताया कि हाई कोर्ट के हलफनामों से यह सामने आया है कि नए विधि स्नातकों की नियुक्ति से कई समस्याएं पैदा हुई हैं। न्यायाधीशों को नौकरी मिलने के पहले दिन से ही जीवन, स्वतंत्रता, संपत्ति जैसे महत्वपूर्ण मामलों से संबंधित स्थितियों का सामना करना पड़ता है। इसका समाधान केवल किताबों के ज्ञान से नहीं, बल्कि वरिष्ठों के सहयोग से, न्यायालय की कार्यप्रणाली को समझकर ही किया जा सकता है।

सीजेआई ने कहा कि हम सभी हाई कोर्ट के साथ इस बात पर सहमत हैं कि न्यूनतम प्रैक्टिस की आवश्यकता है। उन्होंने आगे कहा कि हम मानते हैं कि परीक्षा से पहले कुछ सेवाओं को फिर से शुरू करना आवश्यक है।

सुप्रीम कोर्ट के अनुसार, अनुभव की गणना अंतिम पंजीकरण होने के समय से की जाएगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि ऑल इंडिया बार एग्जामिनेशन (एआईएबी) अलग-अलग समय पर आयोजित किया जाता है। इसके अतिरिक्त, 10 साल का अनुभव रखने वाले वकील को यह प्रमाणित करना होगा कि उम्मीदवार ने न्यूनतम आवश्यक अवधि की प्रैक्टिस पूरी की है।

अदालत ने यह भी तय किया कि आरक्षण के लिए 10% कोटा को 2022 के फैसले में मूल रूप से अनुशंसित 25% पर बहाल किया जाना चाहिए। साथ ही, सिविल जज (जूनियर डिवीजन) के लिए पदोन्नति हेतु मेधावी उम्मीदवार के लिए कोटा 10% होगा। उपयुक्तता परीक्षण के संबंध में, कोई सीधा फार्मूला नहीं बनाया जा सकता है, बल्कि विभिन्न कारकों पर विचार करना प्रासंगिक होगा।

# अलग सरना/आदिवासी धर्म कोड की मांग पर झामुमो मुखर, 27 मई को पार्टी का राज्यव्यापी धरना-प्रदर्शन

संवाददाता

**रांची:** जातीय जनगणना में आदिवासियों के लिए अलग से सरना/आदिवासी धर्म कोड की मांग को लेकर झारखंड मुक्ति मोर्चा ने राज्यव्यापी प्रदर्शन के लिए 27 मई की तिथि घोषित कर दी है।

झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने राज्य के सभी जिला समिति, प्रखंड और पंचायत समिति को जिला मुख्यालयों पर विशाल धरना प्रदर्शन करने की तैयारी में जुट जाने का आदेश दे दिया है।

**अलग सरना धर्म कोड जनजातीय समाज के लिए जरूरी :** झामुमो के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने कहा है कि झारखंड विधानसभा से अलग सरना धर्म कोड लागू करने के प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजे जाने के बावजूद आसन्न जनगणना वाले प्रपत्र में सिर्फ छह धर्म का जिक्र है। उसमें अलग सरना धर्म के कॉलम की बात छोड़िये अब रिलीजन में अन्य या अदर्स वाला कॉलम भी हटा दिया गया है, यह ठीक नहीं है। इसलिए झामुमो ने आंदोलन के द्वारा अपने हक की मांग करने लगे हैं।

पार्टी नेता विनोद पांडेय ने 27 मई को होने वाले राज्य व्यापी धरना प्रदर्शन में सभी विधायक, मंत्री, सांसद और पार्टी पदाधिकारियों के बढ़चढ़ भाग लेने हिस्सा लेने का निर्देश जारी किया गया है।

**09 मई को होने वाला था राज्यव्यापी धरना-प्रदर्शन:** आसन्न जनगणना में अलग से सरना धर्म कोड की मांग के लिए 09 मई को सभी जिला मुख्यालयों पर झामुमो का धरना-प्रदर्शन प्रस्तावित था। जिसे 08 मई को झामुमो ने स्थगित कर दिया था। क्योंकि इस दौरान ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गयी थी।

राज्यव्यापी धरना प्रदर्शन को स्थगित करने की घोषणा करते हुए पार्टी के केंद्रीय महासचिव विनोद पांडेय ने तब कहा था कि अलग सरना धर्म कोड की मांग भी बहुत महत्वपूर्ण और बड़ी मांग है लेकिन अभी वक्त दुश्मन देश के खिलाफ अपने सेना की हौसला अफजाई का है। सेना द्वारा चलाई जा रही ऑपरेशन सिंदूर को समर्थन देने की है। इसलिए झामुमो 09 मई का राज्यव्यापी धरना प्रदर्शन को स्थगित करता है।

## बाबा घाट मैदान में कैनवस नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ

### हजारीबाग पुलिस क्रिकेट टीम ने चतरा पुलिस टीम को 83 रनों से हराया

संवाददाता

**चतरा:** जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान में सोमवार को कैनवस नाइट क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन चतरा के बाबा घाट मैदान में धूमधाम से हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन हजारीबाग के सीसीआर डीएसपी मनोज कुमार सिंह, सिमरिया एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल, चतरा डीएसपी वशीम रजा, हजारीबाग एसडीपीओ अमित आंनद, बडकागांव एसडीपीओ पवन कुमार ने संयुक्त रूप में किया। टूर्नामेंट का उद्घाटन मैच हजारीबाग पुलिस क्रिकेट टीम बनाम चतरा जिला पुलिस क्रिकेट टीम के बीच खेला गया। चतरा पुलिस टीम के कप्तान सिमरिया एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल ने टॉस जीत कर पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए हजारीबाग पुलिस की टीम ने निर्धारित 10 ओवर में पांच विकेट होकर 148 रनों का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया। टीम की ओर से राजीव रंजन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 41 रनों की पारी खेली तथा गेंदबाजी में दो विकेट प्राप्त किया। जवाबी पारी खेलने उतरी चतरा पुलिस की टीम 10 ओवर में 6 विकेट होकर मात्र 65 रन ही बना पाई। इस तरह हजारीबाग पुलिस की टीम चतरा पुलिस टीम को 83 रनों से पराजित कर दिया। बेहतर प्रदर्शन के लिए राजीव रंजन को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। दूसरा मैच आजाद क्लब चतरा बनाम हंटरगंज टीम के बीच खेला गया। इसमें आजाद की टीम ने हंटरगंज टीम को 22 रनों से पराजित किया। तीसरा मैच नगवां रॉक्स बनाम लाइन मोहल्ला टीम के बीच खेला गया। इसमें नगवां रॉक्स की टीम 58 रनों से जीती। चौथा मैच बुलेट क्लब बनाम चंद्रमणि 11 के बीच खेला गया। इसमें बुलेट 11 ने 7 रनों से जीत दर्ज किया। पांचवा मैच कठौतिया बनाम सुपर जॉइंट के बीच खेला गया। इसमें कठौतिया 8 विकेट से मैच जीती। मैच में अंपायर की भूमिका सत्येंद्र सिंह व हिमांशु कुमार ने निभाई। टूर्नामेंट के आयोजन में टूर्नामेंट के अध्यक्ष छोटू यादव, सचिव आशुतोष भारती, कोषाध्यक्ष सरोज सिंहा, संरक्षक नौशाद आलम, सदस्य संजय कुमार सिंह, कुश दुबे, चंदन यादव, मिथिलेश राय, सुजीत कुमार, ओमकुमार, सुमन कुमार व अन्य महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

## ढ़ोल नगाड़े के साथ गोल्ड मेडलिस्ट पूनम का स्वागत

संवाददाता

- खेल विभाग, खिलाड़ियों और ग्रामीणों ने किया स्वागत
- नेशनल स्तर पर आयोजित खेलो इंडिया यूथ गेम्स में पूनम थी झारखंड टीम की हिस्सा

**चतरा:** बिहार के बेगुसराय में 4 से 15 मई तक आयोजित नेशनल फुटबॉल टूर्नामेंट में झारखंड महिला फुटबॉल टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए गोल्ड मेडल जीतने वाली पूनम खलको के चतरा आगमन पर भव्य स्वागत किया गया। जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में सोमवार को जिला खेल कार्यालय की ओर से सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जिला खेल पदाधिकारी तुषार रॉय, जिला फुटबॉल एसोसिएशन के सचिव बबलू गुप्ता, समाजसेवी मुकेश भोक्ता, जिला ओलंपिक एसोसिएशन के सचिव राकेश कुमार सिंह, फुटबॉल कोच बासुदेव उरांव, मो कामरान सहित विभिन्न खेल संघो के पदाधिकारी, खिलाड़ी और ग्रामीणों ने पूनम का स्वागत किया। इससे पहले डाढ़ा गांव के सैकड़ों महिला पुरुष ने ढ़ोल नगाड़े के साथ पूनम का स्वागत किया। ग्रामीण पूनम के साथ जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम से जुलूस के साथ चतरा इटखोरी मुख्य मार्ग का भ्रमण करते हुए पुनः स्टेडियम पहुंचे जहां मंचीय कार्यक्रम में अधिकारियों ने फुल, माला, पगड़ी और झारखंडी गमछे से उसका स्वागत किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला खेल पदाधिकारी तुषार राय ने कहा कि लगभग दो वर्ष पूर्व जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में खेल विभाग द्वारा

खेलो इंडिया सेंटर की शुरूआत हुई है। पूनम दो वर्ष से यहां फुटबॉल का प्रशिक्षण प्राप्त कर रही थी। अपने लग्न व मेहनत के बदौलत पूनम झारखंड टीम में चयनित होकर नेशनल स्तर पर आयोजित टूर्नामेंट में ना सिर्फ शामिल रही, बल्कि विजेता बनी। गोल्ड मेडलिस्ट पूनम ने कहा कि खेल विभाग के द्वारा उपलब्ध कराए गए प्रशिक्षण के बदौलत उन्होंने यह प्रदर्शन किया है। वह भविष्य में फुटबॉल खेल के क्षेत्र में ही और बेहतर प्रदर्शन करना चाहती है। इसके लिए परिजनों का भी भरपूर सहयोग मिल रहा है।

## डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में पांच दिवसीय समर कैंप का हुआ समापन

**पिपरवार (चतरा):** सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के डीएवी पब्लिक स्कूल बचरा में सोमवार को पांच दिवसीय समर कैंप का समापन किया गया। समर कैंप के समापन के मौके पर इसमें शामिल सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जानकारी के अनुसार पांच दिवसीय इस समर कैंप में स्कुल के कई बच्चों ने चित्रकारी,नृत्य,मिट्टी के बर्तन बनाना,आत्म रक्षा के लिए जूडो-कराटे,खेलकूद ,योग - मेडिटेशन आदि सीखा। इस संबंध मे विद्यालय की प्राचार्या डॉ आर चौधरी ने कहा कि पांच दिवसीय समर कैम्प का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस दौरान बच्चों ने नई चीजों को सीखने के साथ-साथ खूब मस्ती भी की। पांचवे दिन सीसीएल की डॉ जेनेट ने बच्चों को अच्छी आदतों के बारे में बताया और सभी बच्चों को प्रशस्ति पत्र भी दिया गया।उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन से स्कूल के बच्चों को कला, संस्कृति के विभिन्न चीजो के सीखने के अलावा उन्हें मनोरंजन करने का भी अवसर प्राप्त होता है। बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ इस तरह के आयोजन में भी बढ़-चढ़कर भाग लेने की जरूरत है। इस अवसर पर स्कूल के सभी शिक्षक व शिक्षिकाएं व बच्चे उपस्थित थे।

## ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर भारतीय सेना के सम्मान में निकाली गयी तिरंगा यात्रा

**गिद्धौर (चतरा):** भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा ऑपरेशन सिंदूर' के माध्यम से आतंकवाद के विरुद्ध की गई निर्णायक एवं साहसी कार्रवाई सफलता हासिल को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं ने गिद्धौर प्रखंड मुख्यालय में सोमवार को तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा निकाला गया। तिरंगा यात्रा का नेतृत्व पार्टी के मंडल अध्यक्ष कपिल कुमार महामंत्री सह सांसद प्रतिनिधि मनोज कुमार कुशवाहा संयुक्त रूप से कर रहे थे। तिरंगा यात्रा मुख्य चौक से निकालकर ब्लॉक मोड़ होते पूरे गांव का भ्रमण किया।वहीं देश व सेना के सम्मान में कई नारे बुलंद किए गए। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के आतंकी हमले के जवाब में भारत के सेना ने पाकिस्तान में घुस कर वहां का आतंकवादी के कई ठिकानों को नश्तनाबूद कर कई आतंकवादियों को मार गिराया। जिसे लेकर भारतीय सेना के सम्मान में तिरंगा यात्रा निकाला गया है।मौके पर युवा मंडल अध्यक्ष बबलू कुमार साव, राकेश कुमार गुप्ता,अशोक कुमार गुप्ता, ब्रजेश कुमार सिन्हा, महेंद्र राम, बिंदेश्वरी यादव, सूरज यादव, अमीरका दांगी,शिवकुमार दांगी, विकास पांडेय,नोमन कुमार साव,उमेश यादव,प्रेमचंद यादव, रोहन बैठा के साथ-साथ भारतीय जनता पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ता व नेता उपस्थित थे।

## सेना के ऑपरेशन सिंदूर के समर्थन में निकला तिरंगा यात्रा

### देश के रक्षा में लगे सैनिको को दिया गया सम्मान

संवाददाता

**चतरा:** भारतीय सेना के ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और देश की एकता-अखंडता के प्रतीक राष्ट्रीय ध्वज तिरंगे के सम्मान में भाजपा मण्डल अध्यक्ष अरुण चौरसिया के नेतृत्व में सोमवार को हंटरगंज में भव्य तिरंगा यात्रा निकाली गई। जहां प्रखण्ड के सैकड़ो प्रतिनिधि, समाजसेवी, बुद्धिजीवी लोगों ने यात्रा में भाग लिया।तिरंगा यात्रा में भाजपा मंडल अध्यक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर की पूरी कहानी बताई। कार्यक्रम के दौरान पूरे प्रखण्ड मुख्यालय हंटरगंज का माहौल देश भक्तिमय हो गया। सबने भारतीय सेना के पराक्रम को नमन किया। तिरंगा यात्रा की शुरूआत हंटरगंज प्रतापपुर मोड़ से हुई, जो गोदोबार, हंटरगंज मेन बाजार हंटरगंज-चतरा मुख्य पथ से होती हुई हंटरगंज ब्लॉक मोड़ तक पहुंची। इस दौरान सैकडो लोगों के भारत माता की जय , वंदे मातरम् और जय हिंद के नारों से पूरा हंटरगंज बाजार गूंज उठा। भाजपा प्रखण्ड मण्डल अध्यक्ष अरुण कुमार चौरसिया ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक बैनर के साथ इस तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया है।

जिस प्रकार बीते कुछ दिनों में भारत की सशस्त्र सेनाओं के शौर्य के बल पर पाकिस्तानियों के आतंकवाद के ठिकाने उड़ाए । सैनिकों के मान सम्मान और उनके मनोबल को ऊंचा करने कार्य तिरंगा सम्मान तिरंगा यात्रा के माध्यम से किया जा रहा है। यात्रा में भाजपा मण्डल कोषाध्यक्ष रौशन कुमार सिंह, भाजपा नेत्री गायत्री साहू,भाजयुमो प्रखण्ड अध्यक्ष गुंजित सिंह, भाजपा प्रखण्ड महामंत्री नरेंद्र यादव, अप्पू कुमार आर्य, देवकुमार पासवान, पवन सिंह, सिकेंद्र सिंह, गुड्डू साव,सुबल पांडे, संतोष कुमार गुप्ता आदि प्रखण्ड के सैकड़ो लोग मौजूद थे।

## ग्रामसभा कर आंगनबाड़ी सहायिका का किया गया चयन

**चतरा:** हंटरगंज प्रखंड के गेरुआ पंचायत के जावादोहर गांव में आंगनबाड़ी केंद्र परिसर में सोमवार को ग्रामसभा कर आंगनबाड़ी केंद्र के लिए सहायिका का चयन किया गया। चयन प्रकिया गेरुआ पंचायत समिति सतेंद्र भारती की अध्यक्षता में ग्रामसभा का आयोजन हुआ। प्रवेक्षिका माधवी सिंहा ने बताया कि संपन्न चुनाव में सहायिका पद के अभ्यर्थी प्रियंका कुमारी का चयन किया गया। जबकि सहायिका के लिए प्राप्त आवेदन में चार अभ्यर्थीयों आरती कुमारी, प्रियंका कुमारी, सुनीता कुमारी, सबिता कुमारी ने अपना - अपना मूल दस्तावेज प्रस्तुत किया मूल दस्तावेज जांचने के उपरांत अंक प्रमाण पत्र के आधार पर सर्वसम्मति से प्रियंका कुमारी का चयन आंगनबाड़ी सहायिका पद पर संपन्न हुआ। इस दौरान बाल विकास परियोजना पदाधिकारी अरूण कुमार मुंडा भी शामिल थे। मौके पर मुखिया प्रतिनिधी रंजन कुमार यादव, राजेश दास, संडे भुईयां, राजू भुईयां, बसंत भुईयां व अन्य दर्जनों लोग मौजूद थे।

## 22 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ आठ तस्कर गिरफ्तार, भेजे गए जेल

संवाददाता

**चतरा:** पुलिस ने 22 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ 8 तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्करों में गिद्धौर थाना क्षेत्र के सिमरा टोली निवासी रामभरोस कुमार महतो तथा शहर के बिंड मोहल्ला बरकत नगर निवासी वकील अंसारी, लाइन मोहल्ला निवासी काशिफ राजा उर्फ रिंकू दादा, वादे इरफा मोहल्ला निवासी मोहम्मद आलम उर्फ मदन, आजाद नगर मोहल्ला निवासी अब्दुल खालिद, दर्जी बीघा मोहल्ला निवासी मोहम्मद शाहबाज, इस्लाम नगर कठौतिया निवासी मोहम्मद वकार तथा बिंड मोहल्ला अंसार नगर निवासी मोहम्मद आसिफ का नाम शामिल है। थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि एसपी विकास कुमार पांडेय को सूचना प्राप्त हुई थी कि बाबा घाट मैदान में एक अर्ध निर्मित मकान में कुछ ब्राउन शुगर तस्कर ब्राउन शुगर खरीद बिक्री व पीने पिलाने का काम कर रहे हैं। उक्त सूचना पर एसीडीपीओ संदीप सुमन के नेतृत्व में एक छापेमारी टीम का गठन किया गया। गठित टीम में एसीडीपीओ के अलावे वह स्वयं तथा पुलिस अवर निरीक्षक मनीष कुमार, शमी अंसारी, जयप्रकाश कुमार व राचिंद्र कुमार शामिल थे। टीम ने बाबा घाट मैदान के अर्द्ध निर्मित मकान की घेराबंदी कर उपरोक्त ब्राउन शुगर तस्करों को 22 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया। जप्त ब्राउन शुगर का वजन लगभग 4.11 ग्राम है। इसका अनुमानित मूल्य लगभग एक लाख रुपया है।

**गिरफ्तार राम भरोस महतो सप्लायर:** थाना प्रभारी विपिन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार गिद्धौर थाना क्षेत्र के सिमरा टोली निवासी रामभरोस कुमार महतो ब्राउन शुगर सप्लायर है। वह गिद्धौर से लाकर चतरा में युवकों के बीच ब्राउन शुगर की सप्लाई कर रहा था। इसी बीच पुलिस ने उसे ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि रामभरोस कुमार महतो पहले भी जेल जा चुका है। जेल से निकलने के बाद फिर से वह ब्राउन शुगर की तस्करी में जुट गया था।

**वकील व काशिफ भी पहले जा चुके हैं जेल:** थाना प्रभारी ने बताया कि ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार मोहम्मद वकील अंसारी तथा काशिफ राजा उर्फ रिंकू दादा इससे पहले भी जेल जा चुका है। सदर थाना पुलिस ने ही कुछ माह पूर्व दोनों को ब्राउन शुगर की खरीद बिक्री में गिरफ्तार कर जेल भेजा था। जेल से निकलने के बाद फिर से दोनों ब्राउन शुगर की खरीद फरोख्त में जुटे थे। उन्होंने कहा कि ब्राउन शुगर कारोबारियों के विरुद्ध पुलिस का यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

## खूंटी के गोविंदपुर स्टेशन का 22 को प्रधानमंत्री करेंगे उद्घाटन

संवाददाता

**रांची/खूंटी:** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 22 मई को वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से खूंटी जिला के गोविंदपुर रेलवे स्टेशन सहित 103 अमृत भारत स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री द्वारा झारखंड के राजमहल और शंकरपुर रेलवे स्टेशनों का भी उद्घाटन किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, गोविंदपुर रेलवे स्टेशन खूंटी के कर्रा प्रखंड क्षेत्र में स्थित यात्री और माल परिवहन के लिए हटिया-बंडामुंडा खंड का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत न केवल गोविंदपुर स्टेशन का पुनर्विकास किया गया, बल्कि इसे अत्याधुनिक सेवाओं से लैस भी बनाया गया है।

**रिकॉर्ड समय में पूरा हुआ विकास का कामः** बता दें कि रांची डिवीजन के अंतर्गत आने वाले गोविंदपुर स्टेशन के पुनर्विकास का काम रिकॉर्ड समय में पूरा किया गया। इस रेलवे स्टेशन पर लिफ्ट, नवनिर्मित स्टेशन भवन, ग्रीन गार्डन के साथ विकसित सकुर्लेटिंग एरिया, एक्सट्रा वेटिंग हॉल और रिजर्व लाउंज की सुविधा दी गयी है। साथ ही गोविंदपुर रोड को विकसित प्लेटफॉर्म सतह और प्लेटफॉर्म शेल्टर जैसी आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है।

**इन सुविधाओं पर हो रहा कार्यः** बताया गया कि स्टेशन में दिव्यांगजनों के लिए रैंप, वाटर बूथ और शौचालय की भी व्यवस्था की गयी है। साथ ही इस स्टेशन के पार्किंग क्षेत्र का विकास और स्टेशन क्षेत्र में स्थानीय कला पेंटिंग, सकुर्लेटिंग एरिया का विकास भी किया गया है। इसके अलावा गोविंदपुर स्टेशन पर स्टेनलेस स्टील के बेंच, सड़क किनारे नाली, पैदल पथ निर्माण, बाउंड्री वॉल निर्माण और प्रवेश द्वार की सुविधा पर भी कार्य शुरू कर दिया गया है।

**क्या है अमृत भारत स्टेशन योजनाः** मालूम हो कि झारखंड के 57 स्टेशनों को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत पिछड़े इलाके के रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाता है। जो सरकार द्वारा इन इलाकों के रेलवे बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण की दिशा में उठाया गया एक अहम कदम है। इस योजना का उद्देश्य यात्री सुविधाओं को बढ़ाने के साथ ही स्टेशनों का पुनर्विकास करना है, जिससे ये स्टेशन क्षेत्र के आर्थिक विकास में भी योगदान दे सके।

## राज्य में प्रवासी मजदूरों की संख्या दो लाख पार

**रांची :** झारखंड में प्रवासी मजदूरों की संख्या दो लाख पार हो गई है। श्रम विभाग के ताजा आंकड़ों के अनुसार, झारखंड से दूसरे स्थानों में गए मजदूरों की संख्या दो लाख चार हजार 993 हो गई है। इसमें पुरूष मजदूरों की संख्या एक लाख 54 हजार 997 और महिला मजदूरों की संख्या 49,548 है। जबकि ट्रांसजेंडर प्रवासी मजदूरों की संख्या 448 है। नौ जिलों में 10 हजार से अधिक प्रवासी मजदूर राज्य के नौ जिलों में 10 हजार से अधिक प्रवासी मजदूर हैं। सबसे अधिक गिरिडीह के 20,011 प्रवासी मजदूर हैं। गोड्डा से 16,959,गुमला से 16,468, पश्चिमी सिंहभूम से 16,273, पाकुड़ से 15,873, दुमका से 14,503,साहेबगंज से 13,305, सिमडेगा से 12,305 और बोकारो से 10,593 प्रवासी मजदूर हैं।

# शराब घोटाला: आईएएस विनय चौबे से एसीबी कर रही है पूछताछ

संवाददाता

**रांचीः** राज्य के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी के घर मंगलवार की सुबह झारखंड की एंटी करप्शन ब्यूरों के अधिकारी पहुंचे। कथित शराब घोटाले में पूछताछ के लिए एसीबी की टीम उनके आवास पहुंची और उन्हे लेकर अपने कार्यालय चली गई। विनय चौबे उत्पाद विभाग के तत्कालीन सचिव थे और उनके कार्यकाल में कथित तौर पर शराब का घोटाला हुआ। एसीबी ऑफिस में पूर्व उत्पाद सचिव विनय चौबे से

बयान लिया जा रहा है। संयुक्त उत्पाद आयुक्त गजेंद्र सिंह भी मौजूद है। रायपुर के आर्थिक अपराध इकाई में दर्ज मामले में एसीबी झारखंड भी समानांतर जांच कर रही है।

छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कारपोरेशन लिमिटेड के खिलाफ इडी छत्तीसगढ़ ने इसीआईआर दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू की थी। इसमें यह पाया गया था कि कारपोरेशन के अधिकारियों ने शराब व्यापारियों के साथ सिंडिकेट बनाकर छत्तीसगढ़ सरकार को आर्थिक नुकसान पहुंचाया था। इस मामले में छत्तीसगढ़ इडी ने वहां के आइएएस अफसरों समेत शराब कारोबारियों के खिलाफ कार्रवाई थी। जांच के क्रम में इडी को इस बात की जानकारी मिली थी कि छत्तीसगढ़ में शराब घोटाले को अंजाम देने वाले सिंडिकेट ने ही झारखंड में नई उत्पाद नीति बनवाई थी और झारखंड में भी शराब घोटाले को अंजाम दिया। इस सूचना के बाद छत्तीसगढ़ इडी ने विनय चौबे को समन जारी कर पूछताछ के लिए छत्तीसगढ़ बुलाया था। बताया जाता है कि विनय चौबे ने छत्तीसगढ़ ईडी द्वारा की गई पूछताछ के दौरान खुद को निर्दोष बताया था और ईडी को दिए गए अपने बयान में कहा था कि नई उत्पाद नीति सरकार की सहमति के बाद लागू की गई थी। इसमें उनका कोई दोष नहीं है।

इसके बाद झारखंड के एक व्यक्ति ने छत्तीसगढ़ आर्थिक अपराध शाखा में एक प्राथमिकी दर्ज करायी। इसमें छत्तीसगढ़ शराब सिंडिकेट द्वारा ही सुनियोजित तरीके से झारखंड में शराब घोटाले को अंजाम देने का आरोप लगाया गया था। ईडी झारखंड ने आर्थिक अपराध शाखा में दर्ज इस प्राथमिकी को इसीआईआर के रूप में दर्ज करने के बाद मामले की जांच शुरू की थी। अक्टूबर 2024 में ईडी ने विनय चौबे, गजेंद्र सिंह सहित अन्य के ठिकानों पर छापेमारी की थी।

### टीएसी की पहली बैठक का बहिष्कार करेगी भाजपा

# टीएसी का गठन राज्यपाल के संरक्षण में करने की परंपरा, राज्य सरकार ने तोड़ा नियमः चंपाई सोरेन

**रांचीः** भाजपा ने हेमंत सरकार 2.0 में होने वाली ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल (टीएसी) की पहली बैठक का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। इसे लेकर पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने कहा कि झारखंड में भाजपा ने आदिवासी परामर्शदातृ समिति (टीएसी) की बैठक का बहिष्कार करने का निर्णय लिया है। टीएसी का गठन सदैव राज्यपाल के संरक्षण में करने की परंपरा रही है, जिसे इस राज्य सरकार ने तोड़ दिया है।

**टीएसी में सरकार के पास है बहुमतः** चंपाई सोरेन ने कहा कि कहने को तो यह संस्था आदिवासियों के हित में निर्णय लेकर, सरकार को परामर्श देने के लिए बनी है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में टीएसी की बैठकों का कुछ खास परिणाम नहीं दिख रहा है। टीएसी में सरकार के पास बहुमत है, लेकिन फिर भी कई वर्षों से पेसा समेत आदिवासी समाज के कई मामलों का फंसे रहना इस सरकार के ढुलमुल रवैये को दर्शाता है।

**इस दस्तावेज पर लगेगी मुहरः** पूर्व सीएम चंपाई ने आगे कहा कि टीएसी की कल होने जा रही बैठक में पहला मुद्दा आदिवासी बहुल गांवों में शराब की दुकानें एवं बार खोलने का लाइसेंस देने का है। अपने सामाजिक जीवन की शुरूआत ही, मैंने नशा-विरोधी मुहिम से की थी और जिस बैठक में झारखंड की युवा पीढ़ी को नशे के दलदल में धकेलने के दस्तावेजों पर मुहर लगाई जा रही हो, उसमें शामिल होना, मेरे लिए संभव नहीं है।

सीएम हेमंत सोरेन करेंगे बैठक की अध्यक्षताः बता दें कि टीएसी की बैठक मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता में होगी। विधायक संजीव सरदार, सोनाराम सिंकू, स्टीफन मरांडी, लुईस मरांडी, राजेश कच्छप, जिगा सुसारन होरो, सुदीप गुड़िया, आलोक सोरेन, जगत मांझी, नमन विक्सल कोनगाड़ी, रामचंद्र सिंह, राम सूर्या मुंडा और दशरथ गगराई ट्राइबल एडवाइजरी काउंसिल के सदस्य हैं। इसके अलावा भाजपा की ओर से बाबूलाल मरांडी और चंपाई सोरेन टीएसी के सदस्य हैं। काउंसिल में मनोनीत सदस्यों के रूप जोसाई मार्डी और नारायण उरांव शामिल हैं।

### जेएसओयू पहुंचे नालंदा विवि के वीसी

# बैठक में दोनों विवि के शैक्षणिक मामलों पर चर्चा

**रांचीः** राज्यपाल के ओएसडी (न्यायिक) जी तिवारी ने सोमवार को योगदान कर लिया। मुकुलेश चंद्र नारायण के देवघर के डिस्ट्रिक्ट एंड एडिशनल सेशन जज बनाये जाने के बाद से यह पद रिक्त था।

## टला बड़ा हादसा: देर रात कांग्रेस नेता आलोक दुबे के घर की छत गिर गयी

**रांचीः** झारखंड कांग्रेस के नेता और पूर्व कांग्रेस महासचिव आलोक दुबे के घर बड़ा हादसा टल गया। सोमवार देर रात उनके घर की छत गिर गई। जर्जर स्थिति में उनके घर की छत उनके कार पर जा गिरी।

आलोक दुबे के डोरंडा स्थित की छत देर रात गिर गई। आलोक दुबे ने इसकी जानकारी खुद अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर दिया और लिखा कि देर रात साढ़े 11 बजे उनके घर की छत गिर गई। अच्छी बात ये रही कि किसी जान माल का नुकसान नहीं हुआ। अभाव के कारण मरम्मत टालता रहा लेकिन ईश्वर ने अपनी रक्षा कवच फैला दी।

# आंधी-पानी से चरमरायी बिजली आपूर्ति , दो दिन से शहर के कई हिस्सों में बत्ती गुल

संवाददाता

**रांचीः** राजधानी में पिछले दो दिनों से आंधी-पानी के कारण शहर और आसपास के इलाकों में बिजली आपूर्ति बुरी तरह प्रभावित हुई है। हाल तक मौसम खराब होने पर भी जीरो पावर कट का दावा करने वाला रांची सर्किल असहाय दिखा। हालांकि, राजधानी को सप्लाई देने वाले तीनों ग्रिड से सोमवार शाम तक सभी सबस्टेशनों से शहर को सामान्य बिजली मिली। कुछ इलाकों में जगह-जगह फाल्ट होने से बिजली आपूर्ति व्यवस्था एक तरह से चरमरा गयी। 24 घंटे बाद तक इसका असर कुछ इलाकों में दिखा। खराब मौसम का सबसे ज्यादा असर राजधानी के पूर्वी इलाके में देखा गया, जहां कोकर, नामकुम, चुटिया इलाके में कई पोल ध्वस्त हो गये। सोमवार को मरम्मत का काम दिन भर चला, लेकिन बिजली आपूर्ति सामान्य नहीं हो सकी थी। कोकर

खोरहाटोली, हिनू में दिनभर मरम्मत का काम चलता रहा। लेकिन चुटिया के राम नगर, गणपत नगर, नामकुम के राजा उलातू, आटीआइ, डोरंडा, 33 केवीए हरमू फीडर, अरगोड़ा पूरन विहार सहित कुछ बाहरी इलाकों में बिजली की किल्लत बनी रही। केतारी बगान रोड नंबर-10 में धराशायी हो चुके पोल और हाइ वोल्टेज तार जमीन पर ही पड़े रह गये। कोकर, नामकुम इलाके में बार-बार ट्रिपिंग हुई। कई जगह रविवार आधी रात को गयी बिजली दूसरे दिन सुबह आयी। इस दौरान नामकुम वाइबीएन यूनिवर्सिटी का इलाका, केतारी बगान रोड नंबर-10, हिनू साकेत नगर व आसपास के मोहल्ले के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

24 घंटे बाद भी बनी रही परेशानीः बारिश और वज्रपात के बाद सोमवार को आपूर्ति शुरू करने का प्रयास किया गया, लेकिन जगह-जगह लोकल फाल्ट होने की वजह से आपूर्ति सुचारु नहीं हो सकी। मौसम में अचानक हुए बदलाव के बाद जगह-जगह तार टूटने, जंपर उड़ने और फाल्ट से शहर का एक तिहाई क्षेत्र कुछ देर के लिए प्रभावित रहा। 33 केवीए कोकर रूरल, कोकर अर्बन, नामकुम, टाटीसिलवे जैसे शहर के बाहरी इलाके और पिठोरिया जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में भी बिजली के लिए लोग परेशान रहे। शहरी क्षेत्रों की बिजली देर रात तक बहाल कर दी गयी, लेकिन बाहरी इलाकों में पोल लगाने और मरम्मत का काम अब भी पूरा नहीं किया जा सका है।

सब स्टेशन में अतिरिक्त कर्मियों की तैनातीः आंधी-पानी के दौरान फाल्ट से बिजली व्यवस्था पर कम असर हो, इसके लिए बिजली कर्मियों को मुस्तैद रहने को कहा गया है। कार्यपालक अभियंता स्तर से जारी इस निर्देश में कहा गया है कि जैसे ही तूफान या फिर तेज हवा या बारिश की आशंका हो, फौरन मेन सप्लाई बंद कर दिया जाये।- मौसम सामान्य होने तक पूरी तरह अलर्ट मोड में रहेंगे बिजलीकर्मी- तत्काल मरम्मत के लिए एजेंसी को ज्यादा मैन पावर की व्यवस्था करने का निर्देश- सेंट्रल स्टोर के साथ ही पीएसएस में ट्रांसफॉर्मर, इंसुलेटर, ब्रेकर व अन्य जरूरी उपकरणों की व्यवस्था रखें।

## आर्म्स एक्ट का फरार अभियुक्त खूंटी से गिरफ्तार

**रांचीः** जिले के पिठोरिया थाने की पुलिस ने आर्म्स एक्ट के फरार आरोपी को गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया है। पिठोरिया थाना प्रभारी अभय कुमार ने बताया कि पिछले वर्ष सोसो गांव मे एक दुकानदार से बाइक सवार दो अपराधी हथियार लेकर लेवी वसूलने पंहुचे थे। ग्रामीणों ने इनमें से एक को देसी कट्टा के साथ दबोच लिया था, जबकि दूसरा आशीष महतो उर्फ आशीष राम फरार होने में कामयाब हो गया था। इस मामले में पिठौरिया थाना में कांड संख्या 100/24 (आर्म्स एक्ट) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। थाना प्रभारी अभय कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने फरार आशीष महतो (साकिन तोरपा रोड कर्मटाड़ पीपल चौक ) को बीती रात उसके खूंटी स्थित घर से गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को उसे जेल भेज दिया गया।

### मधु कोड़ा पहुंचे बाबूलाल मरांडी के दरबार में

# बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष से बंद कमरें में हुई मुलाकात

**रांचीः** झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा ने मंगलवार को बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी से उनके आवास पर जाकर मुलाकात की। कोड़ा ने मुलाकात के बाद मरांडी के साथ अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पोस्ट किया और लिखा कि राज्य के ज्वलंत मुद्दे पर चर्चा हुई।

पिछले दो दिनों के अंदर राज्य के दो पूर्व मुख्यमंत्रियों ने मरांडी से मुलाकात की है। इससे पहले पूर्व मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने सोमवार को बाबूलाल मरांडी से मुलाकात की थी। बाबूलाल के नेता प्रतिपक्ष बनने मधु कोड़ा की उनसे पहली मुलाकात की। विधानसभा चुनाव में मधु कोड़ा कि पत्नी गीता कोड़ा चुनाव हार गई थी। इसके बाद से वो राजनीतिक रूप से निष्क्रिय हो गये थे।

# कल पूरे राज्य में बारिश, 23 मई तक आंधी-तूफान, यलो अलर्ट जारी

संवाददाता

**रांचीः** राज्य में 24 मई तक हल्की बारिश होने, आकाशीय बिजली गिरने और 40 से 50 किमी की गति से तेज हवा चलने का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने राज्य के विभिन्न जिलों के लिए यह येलो अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा विभाग ने 23 और 24 मई को भी राज्य के कई स्थानों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश होने की संभावना व्यक्त की है।

पलामू में प्रचंड गर्मी का कहर, पारा 42 डिग्री के पारः पिछले दो दिनों से राजधानी रांची और आसपास के क्षेत्रों में दोपहर बाद बारिश होने से तापमान में पांच-छह डिग्री की गिरावट हुई है। हालांकि राज्य के पलामू इलाके में अभी प्रचंड गर्मी है। इस इलाके में तापमान 42 डिग्री के पार है। वहीं पूर्वी और पश्चिमी सिंहभूम में गर्मी में कमी है। इन इलाकों में तापमान 34-35 डिग्री के आसपास है।

बता दें कि सोमवार को रांची में मौसम साफ रहा। बीच-बीच मे बादल छाए रहे और मध्यम दर्जे की हवाएं चली। रांची में अधिकतम तापमान 35.8 डिग्री, जमशेदपुर में 34.5, डाल्टेनगंज में 42.2 बोकारो में 34.5 और चाईबासा में तापमान 35.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

झारखण्ड सरकार
कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (पशुपालन प्रभाग)
LHDCP योजना से संबंधित आवश्यक जानकारी
जिला पशुपालन कार्यालय, राँची

आम सूचना :–

सरकार के केन्द्र प्रायोजित योजना LHDCP योजनान्तर्गत राँची जिला में FMD & LSD टीकाकरण कार्यक्रम दिनांक 19.05.2025 से दिनांक 18.07.2025 तक राँची जिला में निःशुल्क टीकाकरण अभियान चलाया जाना है। इस कार्यक्रम अन्तर्गत पशुपालकों के घर–घर जाकर खुरहा–मुँहपका (FMD) रोग के रोकथाम हेतु सुयोग्य गौ जाति एवं भैंस जाति के सुयोग्य पशुओं को LSD का निःशुल्क टीकाकरण किया जाना है।

टीकाकरण के पूर्व सभी गौ वंशीय एवं भैंस प्रजाति के पशुओं को 12 अंको के (UID) टैग से चिन्हितीकरण करते हुए भारत पशुधन एप्प में निबंधन किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी पशुपालकों से अनुरोध है कि अपने–अपने आधार नं० एवं मोबाईल नं० इस कार्य हेतु विभाग द्वारा प्राधिकृत्त टीकाकर्मियों को उपलब्ध कराकर अपने पशुओं का पंजीकरण, टैगिंग एवं टीकाकरण करवाना सुनिश्चित करें एवं इस कार्य में विभाग को सहयोग प्रदान करें।

जिला के सभी मुखिया, वार्ड सदस्य, जिला परिषद्, पंचायत समिति सदस्य एवं अन्य सभी जन प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि इस कार्यक्रम को अपने–अपने क्षेत्र में वृहद् प्रचार–प्रसार कर पशुओं का टैगिंग एवं टीकाकरण के लिए पशुपालकों को प्रेरित करें।

नोट :– अधिक जानकारी के लिए अपने प्रखण्ड के पशुचिकित्सा पदाधिकारियों से सम्पर्क करें।

टैग नही तो टीका नहीं।
जन–जन तक संदेश पहुँचाना है।
खुरहा–मुँहपका एवं गाँठदार त्वचा रोग को जड़ से मिटाना है।

निवेदक
जिला पशुपालन पदाधिकारी
राँची

PR 352858 (Animal Husbandry) 25-26 (D)

## सुविचार

**मेहनत करने से दरिद्रता नहीं रहती, धर्म करने से पाप नहीं रहता, मौन रहने से कलह नहीं होता।**

## विकास के बजाए विवादित मुद्दे बन गए हैं सत्ता का आसान रास्ता

रोजगारी, गरीबी, अपराध, लिंगभेद, चिकित्सा और आधारभूत जैसी सुविधाओं के समाधान के बजाए देश के नेता इतिहास के गढ़े मुर्दे उखाड़ कर वोट पाने का आसान रास्ता चुन रहे हैं। इसी क्रम में नया विवाद महाराणा सांगा पर दिए गए बयान पर पैदा हुआ है। समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने राज्यसभा में कहा कि बीजेपी के लोगों का ये तकियाकलाम बन गया है कि इनमें बाबर का डीएनए है। सपा सांसद रामजी लाल ने कहा कि मैं जानना चाहूंगा कि बाबर को आखिर लाया कौन? इब्राहिम लोदी को हराने के लिए बाबर को राणा सांगा लाया था। उन्होंने कहा कि मुसलमान अगर बाबर की औलाद हैं तो तुम लोग उस गद्दार राणा सांगा की औलाद हो, ये हिन्दुस्तान में तय हो जाना चाहिए कि बाबर की आलोचना करते हो, लेकिन राणा सांगा की आलोचना नहीं करते? सांसद सुमन की राज्यसभा में की गई टिप्पणी पर केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि जो लोग आज नहीं बल्कि 1000 वर्षों के भारत के इतिहास की समीक्षा करते हैं, वे बाबर और राणा सांगा की तुलना कभी नहीं कर सकते और उन्हें एक ही तराजू पर नहीं रख सकते। महाराणा सांगा ने आजादी की अलख जगाई थी। उन्होंने भारत को गुलामी से बचाया और साथ ही भारत की संस्कृति को सनातनी बनाए रखने में भी अहम योगदान दिया। कुछ क्षुद्र और छोटे दिल वाले लोग ऐसी बातें करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि ऐसी चचाओं की कोई गुंजाइश नहीं है। यह पहला मौका नहीं है जब नेताओं ने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए इस तरह के विवादों को हवा दी है। इससे पहले भी ऐतिहासिक मुद्दों पर देश में दरार डालने के प्रयास होते रहे हैं। बॉलीवुड के निमार्ता-निर्देशक संजय लीला भंसाली की फिल्म पद्मावत को लेकर भी काफी विवाद हुआ था, जिसमें राजपूत समुदाय ने फिल्म में ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करने का आरोप लगाया था। इस विवाद का परिणाम यह निकला कि चित्तौडगढ़ के किले में स्थित 'पद्मावती' महल में अराजक तत्वों ने उन शीशों को तोड़ दिया, जिनके बारे में कहा जाता है कि दिल्ली के सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी ने इन्हीं आईनों के जरिए राजपूत रानी पद्मावती को देखा था। इसी तरह तीन साल पहले बॉलीवुड फिल्म पानीपत से शुरू हुआ विवाद एक टीवी धारावाहिक तक आ पहुंचा। धारावाहिक में खांडेराव होल्कर से पूर्व महाराजा सूरजमल को युद्ध में हारना दिखाया गया। वहीं, इतिहासकारों का दावा है कि पूर्व महाराजा सूरजमल कभी युद्ध नहीं हारे। बल्कि खांडेराव होल्कर की मौत उनके साथ युद्ध में हुई थी। इसको लेकर रूपवास व कुम्हेर थाने में दो अलग-अलग एफआइआर दर्ज कराई गई। मैसूर के राजा रहे टीपू सुल्तान की 10 नवंबर को मनाई जाने वाली जयंती को लेकर भी खूब कलह हुआ है। मैसूर का शेर कहलाने वाले टीपू की जयंती की शुरूआत कांग्रेस के शासन में हुई लेकिन बीजेपी इसका विरोध करती रही। कर्नाटक में टीपू सुल्तान की जयंती मनाने को लेकर नौबत यहां तक आ गई कि कई शहरों में सुरक्षा को देखते हुए धारा 144 लगाई गई और विरोध प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोगों को हिरासत में लिया गया। भारतीय जनता पार्टी और कुछ हिन्दू संगठनों ने सरकार से मांग की थी कि वह टीपू सुल्तान की जयंती मनाने का कार्यक्रम और उन्हें महिमामंडित करने की योजना रोक दें। बीजेपी की निगाह में टीपू सुल्तान धार्मिक रूप से कट्टर और हिन्दू विरोधी शासक था। भाजपा नेता मीनाक्षी लेखी ने उत्तर भारत के 9वीं सदी के राजपूत शासक सम्राट मिहिर भोज की प्रतिमा का अनावरण किया और उन्हें एक गुज्जर बताया। दक्षिण दिल्ली नगर निगम (एसडीएमसी) ने जौनपुर गांव में सम्राट मिहिर भोज की एक प्रतिमा भी समर्पित की, जिसमें उन्हें गुज्जर बताया गया। इसका राजपूत समुदाय ने कड़ा विरोध किया। बिहार में गठबंधन से पहले भाजपा ने नीतीश सरकार पर इतिहास के छेड़छाड़ करने का आरोप लगाया था। भाजपा ने यहां तक कहा था कि सरकार ने प्रथम मुख्यमंत्री श्रीकृष्ण सिंह का अपमान किया है। बिहार के पूर्व मंत्री भीम सिंह ने बिहार सरकार खासकर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के मोहम्मद युनूस को बिहार के प्रथम प्रधानमंत्री बताते हुए उनके जन्म दिवस पर राजकीय जयंती समरोह मनाए जाने को बिहार केसरी श्रीकृष्ण सिंह का अपमान बताया था। उन्होंने कहा था कि मुस्लिम तुष्टिकरण के तहत इतिहास के साथ छेडछाड की जा रही है। गौरतलब है कि पिछले दिनों उत्तर प्रदेश के संभल जिले में मंदिर-मस्जिद विवाद पर नेताओं ने जम कर रोटियां सेकी। इस संवेदनशील मुद्दे को लेकर हिंसा में पांच लोग मारे गए। इसके बाद देश के दूसरे हिस्सों में इसी तरह के विवाद पैदा हो गए। अजमेर में दरगाह में हिंदू मंदिर का दावा करते स्थानीय अदालत में मामला दायर किया गया। इसी तरह देश के दूसरे हिस्सों में भी मस्जिदों में मंदिर होने को लेकर अदालतों में मामले दायर किए गए। नेताओं ने तभी पैर पीछे खींचे जब सुप्रीम कोर्ट ने ऐसे विवादों पर रोक लगा दी।

# प्लेसमेंट और पैकेज की समस्या से जूझते आज के युवा

**सवाल केवल प्लेसमेंट तक ही सीमित नहीं हैं अपितु पैकेज में भी लगातार कमी देखी जा रही है। कुछ चंद युवाओं को अच्छा पैकेज मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि कंपनियों द्वारा युवाओं को अच्छा पैकेज दिया जा रहा है। दरअसल कोरोना के बाद से प्लेसमेंट और पैकेज को लेकर हालात बहुत हद तक बदल गए हैं। यदि हम भारत की ही बात करें तो देश के शीर्ष प्रबध संस्थानों से पासआउट युवाओं को 2022 में औसत 29 लाख का पैकेज मिल रहा था तो वह 2024 आते आते 27 लाख पर आ गया है।**

**डॉ. आरपी शर्मा**

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर केवल एक देश की समस्या ना होकर अब वैश्विक समस्या होती जा रही है। रोजगार का लेकर अब तो यह भी बेमानी हो गया है कि आपने कहां से अध्ययन किया है। हालात यह होते जा रहे हैं कि दुनिया के श्रेष्ठतक अध्ययन केन्द्रों के पासआउट युवा भी अच्छे पैकेज के रोजगार के लिए दो चार हो रहे हैं। यह कल्पना या कपोल कल्पित नहीं बल्कि वास्तविकता है कि हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, शिकागो, कोलंबिया, एमआईटी, पेन्सिलवेनिया, एमआईटी जैसे वैश्विक ख्यातनाम संस्थानों से एमबीए करें युवाओं को पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलने की संख्या में तेजी से इजाफा होता जा रहा है। ब्लूमबर्ग ने अमेरिका के सात शीर्ष संस्थानों से एमबीए का अध्ययन कर निकले विद्यार्थियों के प्लेसमेंट को लेकर अध्ययन कर रिपोर्ट में तो यही खुलासा किया है। चौकाने वाली बात यह है कि 2021 की तुलना में 2024 में यह प्रतिशत करीब करीब चार गुणा बढ़ गया है। 2021 में केवल 4 प्रतिशत पासआउट छात्र ही ऐसे थे जिन्हें पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलता था वह संख्या 2024 तक बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई है। अमेरिका के शीर्ष सात संस्थनों में कहीं कहीं तो छह गुणा तक की बढ़ोतरी देखी गई है। यह इसलिए भी चिंताजनक है कि जिन संस्थानों के अध्ययन का स्टेण्डर्ड निर्विवाद समूचे विश्व में श्रेष्ठतम रहा है और जिनकी वैश्विक पहचान है उनकी ही यह हालत है तो आम संस्थानों की क्या होगी? यह अकल्पनीय है। हो सकता है कि ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण हो पर हालात जिस तरह के सामने आ रहे हैं उससे यह साफ हो जाता है कि प्लेसमेंट की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

सवाल केवल प्लेसमेंट तक ही सीमित नहीं हैं अपितु पैकेज में भी लगातार कमी देखी जा रही है। कुछ चंद युवाओं को अच्छा पैकेज मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि कंपनियों द्वारा युवाओं को अच्छा पैकेज दिया जा रहा है। दरअसल कोरोना के बाद से प्लेसमेंट और पैकेज को लेकर हालात बहुत हद तक बदल गए हैं। यदि हम भारत की ही बात करें तो देश के शीर्ष प्रबध संस्थानों से पासआउट युवाओं को 2022 में औसत 29 लाख का पैकेज मिल रहा था तो वह 2024 आते आते 27 लाख पर आ गया है। यह सबतो देश दुनिया के शीर्ष अध्ययन संस्थानों से पासआउट युवाओं को लेकर है। सामान्य व मध्यस्तरीय संस्थानों से पासआउट युवाओं को मिलने वाला पैकेज तो बहुत ही कम होता जा रहा है। दूसरी और घर बार छोड़कर 90 घंटे तक काम करने को लेकर बहस चल रही है। एक और पिकोक कल्चर, हाईब्रीड सिस्टम और वर्क फ्राम होम से कार्यस्थल पर युवाओं को लाने की जद्दोजहद जारी है तो दूसरी और कम होते अवसर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं।

सरकारें लाख प्रयास करें या विपक्षी बेरोजगारी बढ़ने के लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये पर लगता है कि प्लेसमेंट, रोजगार और पैकेज का संकट किसी एक देश का नहीं अपितु वैश्विक समस्या बनती जा रही है। इससे युवाओं में कहीं ना कहीं निराशा भी आती जा रही है। हांलाकि हार्वर्ड, शिकागो आदि के संदर्भ शिक्षा के स्तर को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता पर तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि हार्वर्ड, शिकागो या इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं में अध्ययन करने वाले कितने युवा होते हैं तो दूसरी और कितने लोगों के लिए इन संस्थाओं के अध्ययन का खर्च उठाने की क्षमता होती है। जब इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं से अध्ययन प्राप्त कर निकले युवाओं के सामने ही प्लेसमेंट या पैकेज का संकट आ रहा है तो अन्य संस्थानों से अध्ययन प्राप्त युवाओं की स्थिति क्या होगी यह अपने आपमें सोचनीय हो जाती है।

जहां तक हमारे देश की बात की जाए तो यह साफ हो जाता है कि हमारे यहां एक तरह से अंधी दौड़ चलती है। एक समय था जब कुकुरमुत्ते की तरह प्रबंधन संस्थान खुले और आज हालात यह है कि निजी क्षेत्र में खुले इस तरह के संस्थानों को क्षमता के अनुसार विद्यार्थी ही नहीं मिल रहे हैं। लगभग यही स्थिति इंजीनियरिंग कालेजों की होती जा रही है। गली गली में फामेर्सी संस्थान खुलते जा रहे हैं। सौ टके का सवाल यह है कि अध्ययन संस्थान खोलने की अनुमति के साथ ही अध्ययन का स्तर भी बनाये रखने के लिए फेकेल्टी को लेकर भी मान्यता देते समय सरकार को गंभीर होना होगा। जब तक स्तरीय अध्ययन उपलब्ध नहीं होगा तब तक हम पास आउट तो करते रहेंगे पर प्लेसमेंट या अच्छे पैकेज की बात करना बेमानी होगा। सरकार को शिकागो, हार्वर्ड कोलंबिया, पेन्सिलवेनिया या इसी तरह की संस्थानों से पासआउट के साथ जो हालात बन रहे हैं उससे समय रहते सबक लेना होगा और अन्य संस्थानों में भी शिक्षण और शोध की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी ताकि पासआउट की लंबी फोज नहीं बन सके। युवाओं में नैराश्य भी नहीं आये और देश को योग्य युवा मिल सके।

**(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

# आधुनिक तकनीक से जल संकट का सच्चा समाधान

**नागालैंड की जाबो कृषि पद्धति भी सफल है। यह विधि बारिश के पानी को इकट्ठा कर खेती के लिए उपयोग करती है, जिससे सूखे की मार कम होती है। राजस्थान के टांके वर्षा जल संग्रहण के लिए बनाए गए छोटे जल भंडार हैं, जिनमें अब आधुनिक निस्पंदन तकनीक भी जोड़ी जा रही है। तमिलनाडु में एरियों (तालाब) प्रणाली भी वर्षा जल को संग्रहित कर सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में मदद करती है।**

**डॉ. सत्यवान सौरभ**

जल संकट आज दुनिया के सबसे गंभीर मुद्दों में से एक है। बढ़ती जनसंख्या, अनियंत्रित औद्योगीकरण, और जलवायु परिवर्तन ने पानी की उपलब्धता पर गंभीर प्रभाव डाला है। इस संकट से निपटने के लिए हमें परंपरागत जल संरक्षण तकनीकों और आधुनिक विज्ञान और तकनीक के समन्वय की आवश्यकता है। जल संरक्षण का अर्थ है पानी के स्रोतों का समझदारी से प्रबंधन करना ताकि भविष्य में पानी की कमी न हो। भारत के पास दुनिया का केवल चार फीसदी मीठा पानी है, लेकिन देश की 18 फीसदी आबादी जल संकट से जूझ रही है। इस समस्या को हल करने के लिए सरकार और समुदायों की भागीदारी जरूरी है। आंध्र प्रदेश में जल शक्ति अभियान और नीरू-चेट्टू जैसी योजनाओं ने पानी की उपलब्धता बढ़ाने में मदद की है। स्थानीय समुदाय अपने पारंपरिक ज्ञान और नए तकनीकी उपायों को अपनाकर पानी का बेहतर उपयोग कर सकते हैं। महाराष्ट्र का हिवरे बाजार मॉडल गांव में पारंपरिक और आधुनिक तकनीक का उपयोग करके भू-जल स्तर बढ़ाया गया। वर्षा जल संचयन और कुओं की सफाई से यहा जल उपलब्धता बढ़ी। राजस्थान की जोहड़ प्रणाली से राजस्थान में छोटे-छोटे तालाबों (जोहड़) के निर्माण से भू-जल स्तर सुधरा और सूखे की समस्या कम हुई। उत्तराखंड की चाल-खाल प्रणाली भी कारगर है। इसके अंतर्गत छोटे जलाशय वर्षा जल को संग्रहीत कर भू-जल पुनर्भरण में मदद करते हैं। पानी के कुशल उपयोग के लिए पारंपरिक तरीकों और नई तकनीकों को अपनाना जरूरी हैं।

नागालैंड की जाबो कृषि पद्धति भी सफल है। यह विधि बारिश के पानी को इकट्ठा कर खेती के लिए उपयोग करती है, जिससे सूखे की मार कम होती है। राजस्थान के टांके वर्षा जल संग्रहण के लिए बनाए गए छोटे जल भंडार हैं, जिनमें अब आधुनिक निस्पंदन तकनीक भी जोड़ी जा रही है। तमिलनाडु में एरियों (तालाब) प्रणाली भी वर्षा जल को संग्रहित कर सिंचाई और पेयजल आपूर्ति में मदद करती है। जल संरक्षण के लिए जंगल, नदी, तालाब और मिट्टी को संतुलित बनाए रखना जरूरी है। राजस्थान में ओरण (पवित्र वन) क्षेत्रों में जल स्रोतों और जैव विविधता की सुरक्षा होती है, जिससे मरुस्थलीकरण को रोका जाता है। मेघालय की झरना पुनरुद्धार परियोजना के तहत वनों और जलग्रहण क्षेत्रों को पुनर्जीवित किया जा रहा है, जिससे जल स्रोत संरक्षित हो रहे हैं। मध्य प्रदेश में नर्मदा सेवा यात्रा पहल का उद्देश्य नर्मदा नदी के किनारे पेड़ लगाकर जल संरक्षण और पर्यावरण सुधार को बढ़ावा देना है। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें और झारखंड की ग्राम सभाएं जल संसाधनों के न्यायसंगत उपयोग को सुनिश्चित कर रही हैं। जलवायु परिवर्तन और अनियमित बारिश जल संकट को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियां मददगार साबित हो सकती हैं। बुंदेलखंड में सूखा राहत कार्य के अंतर्गत तालाबों के पुनर्निर्माण और वर्षा जल संचयन से इस क्षेत्र में पानी की समस्या कम हो रही है। लद्दाख में सर्दियों में कृत्रिम हिमनद बनाए जाते हैं, ताकि गर्मियों में इनसे पानी मिलता रहे। हालांकि, बढ़ते तापमान से यह विधि चुनौतियों का सामना कर रही है। गुजरात में वाडी प्रणाली के तहत जल संरक्षण के लिए टपक सिंचाई और बहुफसलीय खेती अपनाई जाती है। जलवायु परिवर्तन, औद्योगिक प्रदूषण, असमान जल वितरण और सरकारी योजनाओं में पारंपरिक प्रणालियों की अनदेखी प्रमुख बाधाएं हैं। समुदायों को जल संसाधनों के प्रबंधन में अधिकार मिलना चाहिए ताकि वे जल को संधारणीय रूप से उपयोग कर सकें। महाराष्ट्र की पानी पंचायतें इन पंचायतों के माध्यम से किसानों को पानी का न्यायसंगत वितरण सुनिश्चित करती हैं। झारखंड में ग्राम सभा अधिनियम के तहत गांव की सभाएं छोटे जलाशयों का प्रबंधन कर रही हैं। ओडिशा में पाणी पंचायत योजना सामुदायिक भागीदारी से जल प्रबंधन को बढ़ावा देती है। कई बार देश में शहरों को अधिक पानी दिया जाता है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में कमी हो जाती है। उदाहरण के लिए, चेन्नई के लिए आसपास के गांवों से पानी लिया जाता है, जिससे किसानों को परेशानी होती है। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा जैसी नदियों का प्रवाह कम हो रहा है और जल संकट बढ़ रहा है। पारंपरिक जल संरक्षण प्रणालियों को सरकारी योजनाओं में ज्यादा महत्व नहीं दिया जाता। कई उद्योग अपशिष्ट जल को नदियों और तालाबों में छोड़ देते हैं, जिससे जल स्रोत दूषित हो जाते हैं। इसलिए परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियों को कानूनी दर्जा मिलना चाहिए। वैज्ञानिक संस्थानों, सरकारी एजेंसियों और स्थानीय समुदायों के बीच साझेदारी को मजबूत करना चाहिए। आईआईटी मद्रास ग्रामीण इलाकों में वर्षा जल संचयन के लिए तकनीकी सहायता दे रहा है। जल प्रबंधन योजनाओं में स्थानीय लोगों की भागीदारी बढ़ानी चाहिए। जल, जंगल और भूमि को एक साथ जोड़कर संरक्षण योजनाएं बनानी चाहिए। आधुनिक तकनीकों और पारंपरिक ज्ञान को मिलाकर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की रणनीति बनाई जानी चाहिए। शहरी जल पुनर्चक्रण के लिए शहरों में अपशिष्ट जल को पुनः उपयोग में लाने की प्रणाली विकसित करनी चाहिए। जल संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसमें समुदायों की भागीदारी भी बहुत जरूरी है। पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक तकनीक को मिलाकर जल संसाधनों का कुशल प्रबंधन किया जा सकता है। जल शक्ति अभियान और मनरेगा जैसी योजनाओं के साथ एआई आधारित निगरानी प्रणाली को जोड़कर जल संरक्षण को और प्रभावी बनाया जा सकता है। इससे जल संकट से निपटने में मदद मिलेगी और भविष्य के लिए जल सुरक्षा सुनिश्चित होगी। कानूनी मान्यता, वैज्ञानिक सहयोग, स्थानीय भागीदारी, जल पुनर्चक्रण और जलवायु अनुकूलन उपायों को अपनाकर जल संरक्षण को प्रभावी बनाया जा सकता है। जल संकट से निपटने के लिए हमें अतीत की सीख और भविष्य की तकनीकों के बीच संतुलन बनाना होगा। परंपरागत जल संरक्षण प्रणालियां हमें स्थिरता और स्थानीय अनुकूलन का ज्ञान देती हैं, जबकि आधुनिक तकनीकें जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन में सहायता कर सकती हैं। यदि हम दोनों का संगम करके कार्य करें, तो जल संकट का स्थायी समाधान प्राप्त किया जा सकता है। 'बूंद-बूंद से घड़ा भरता है' जल संरक्षण की दिशा में एक छोटा प्रयास भी भविष्य में बड़ा बदलाव ला सकता है।

**(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)**

# हनुमान जी के भक्त करते हैं बड़ा मंगल का व्रत

**डॉ. सत्यवान सौरभ**

20 मई को दूसरा बड़ा मंगलवार है, ज्येष्ठ माह में आने वाले मंगलवार को बड़ा मंगल या बुढ़वा मंगल के नाम से जाना जाता है। इस बार ज्येष्ठ माह में पांच बड़े मंगल पड़ रहे हैं। बड़े मंगल को व्रत रखकर हनुमान जी की पूजा अर्चना करनी चाहिए। इस दिन पूजा करने से हनुमान जी की विशेष कृपा प्राप्त होती है तो आइए हम आपको बड़ा मंगलवार व्रत का महत्व एवं पूजा विधि के बारे में बताते हैं।

**जानें बड़ा मंगलवार के बारे में**

13 मई से ज्येष्ठ माह के साथ-साथ बड़े मंगल की भी शुरूआत हो चुकी है। इस बार ज्येष्ठ माह में 5 बड़े मंगल पड़ेंगे। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इसी माह में मंगलवार के दिन हनुमान जी भगवान श्रीराम से मिले थे। ऐसे में आप इस दिन पर पूजा के दौरान ये काम करके हनुमान जी के साथ-साथ राम जी की कृपा के पात्र भी बन सकते हैं। कलयुग में बजरंगबली एकमात्र ऐसे देव हैं, जो शीघ्र प्रसन्न हो जाते हैं। संकटमोचन की कृपा जिस पर हो जाती है, उसके सभी संकटों का हरण हो जाता है और सुख-समृद्धि में वृद्धि होती है। ज्येष्ठ माह के बड़े मंगलवार पर हनुमान जी को जो व्यक्ति लाल चंदन, लाल फूल, लाल वस्त्र चढ़ाता है, वह उनका प्रिय बन जाता है। किसी काम के पूरा होने में संशय हो तो मंगलवार को घर से निकलते वक्त लाल रंग से लिखी हुई दो हनुमान चालीसा अपने साथ लेकर जाएं। पहली को अपने पास रखें और दूसरी रास्ते में पड़ने वाले किसी भी राम मंदिर में रख दें। इस उपाय से आपके मार्ग में आने वाली सभी बाधाएं नष्ट होंगी और बिगड़े काम बनेंगे।

**ज्येष्ठ माह में बड़ा मंगल की तारीखें**

पहला बड़ा मंगल - 13 मई 2025
दूसरा बड़ा मंगल - 20 मई 2025
तीसरा बड़ा मंगल - 27 मई 2025
चौथा बड़ा मंगल - 3 जून 2025
पांचवां बड़ा मंगल- 10 जून

बड़ा मंगल पर ऐसे करें पूजा, मिलेगा लाभ

बड़े मंगल को व्रत रखकर हनुमान जी की पूजा अर्चना करनी चाहिए। हनुमान चालीसा और बजरंग बाण का भी पाठ करना लाभकारी होता है। इसके बाद स्नान करके हनुमान जी को रोली चंदन का तिलक लगाएं। हनुमान जी को लाल वस्त्र से अत्यधिक प्रेम है इसलिए बड़े मंगल के दिन लाल वस्त्र का दान करने पर पर विशेष फल प्राप्त होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, बड़े मंगल के विशेष दिन पर हनुमान जी की विधि-विधान से पूजा-अर्चना करने से साधक को जीवन में अच्छे परिणाम मिलने लगते हैं। ऐसे में यदि आप भी बड़ा मंगल के दिन हनुमान जी की कृपा प्राप्त करना चाहते हैं, तो इसके लिए पूजा के दौरान इन खास चीजों का पाठ जरूर करें, इससे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद मिलता है।

## सेहत

### हाई बीपी को कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें अलसी व चिया सीड्स

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद के लिए समय निकाल पाना काफी मुश्किल हो गया है। ऐसे में लोगों को तरह-तरह की बीमारियां घेर लेती हैं। वहीं हाई ब्लड प्रेशर की समस्या आम हो चुकी है। हर दूसरा व्यक्ति हाइपरटेंशन से परेशान है। इसकी वजह से स्ट्रोक या हार्ट अटैक जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में हाई बीपी की समस्या को कंट्रोल में रखने के लिए दवाओं के साथ-साथ सही खानपान की भी जरूरत होती है।

हालांकि कुछ खास बीजों को अपनी डाइट में शामिल करके आप नेचुरल तरीके से हाई ब्लड प्रेशर की समस्या को कंट्रोल किया जा सकता है। बता दें कि अगर आप अपनी डाइट में चिया और अलसी के बीजों को शामिल करते हैं, तो हाई बीपी को कंट्रोल कर सकते हैं।

**अलसी के बीज** : अलसी के बीजों में ओमेगा 3 फैटी एसिड पाया जाता है, जो धमनियों को मजबूत बनाने में सहायता करता है। इसके सेवन से ब्लड फ्लो बेहतर होता है और फाइबर कोलेस्ट्रॉल को सुधारता है। वहीं इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट ब्लड प्रेशर को कम करता है। इसके साथ ही इसमें मौजूद मैग्नीशियम और पोटेशियम हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल कर करता है। अलसी के बीजों में पाया जाने वाला पोटेशियम रक्त वाहिकाओं को रिलैक्स करता है।

**चिया सीड्स** : चिया सीड्स में कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से सेहत को कई तरह के लाभ मिलते हैं। इसमें मौजूद ओमेगा 3 फैटी एसिड ब्लड वेसल्स को रिलैक्स करता है। साथ ही यह ब्लड सकुर्लेशन को सुधारता है।

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

**प्रधान संपादक** : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in **email : metrorays.ranchi@gmail.com**

उपायुक्त ने जिला नियंत्रण कक्ष का किया निरीक्षण, पदाधिकारी को दिया आवश्यक दिशा-निर्देश

# नियंत्रण कक्ष की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाये : उपायुक्त

मेट्रो रेज

**साहिबगंज :** उपायुक्त हेमंत सती ने आज जिला नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नियंत्रण कक्ष में संधारित कॉल पंजी का अवलोकन किया । इसकी नियमित अद्यतन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने नियंत्रण कक्ष के कार्यों की समीक्षा करते हुए स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न अधिकारियों डॉ एमओआईसी एएम एन और सीएच ओ को प्रतिदिन रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए कॉल करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि नियंत्रण कक्ष जिले की प्रमुख निगरानी इकाई है और इसके माध्यम से जनहित से जुड़ी सभी गतिविधियों की निगरानी की जाती है। उन्होंने वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की भी जांच की और उनकी स्थिति व कार्यप्रणाली का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित कर्मियों को निर्देश दिया कि कैमरे हर समय चालू अवस्था में रहें ।जो उनकी रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखी जाए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने नियंत्रण कक्ष में तैनात कर्मियों से भी बातचीत की और उनके कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने सभी पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि नियंत्रण कक्ष की संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए।

# समर कैंप में बच्चों ने फन गेम व कराटे का लिया प्रशिक्षण

मेट्रो रेज

**दुमका नगर :** सिदो कान्हू उच्च विद्यालय दुमका में विद्यालय की निदेशिका सुनीता मुखर्जी एवं विद्यालय प्रबंधक रोदोशी मुखर्जी के दिशा निर्देशन में सोमवार को चार दिवसीय समर कैंप का आयोजन कराया गया। पहले दिन की शुरूआत योग, फन गेम एवं कराटे से की गयी। बच्चों के लिए योग व फन गेम शिक्षक मंतोष तिवारी एवं रंजीत कुमार मिश्रा द्वारा कराया गया। ट्रेनर स्नेहा संगम द्वारा बच्चों को मार्शल आर्ट एवं कराटे के विभिन्न विधियों को सिखाया गया। निदेशिका सुनीता मुखर्जी ने कहा कि बच्चों में सर्वांगीण विकास की वृद्धि के लिए विभिन्न प्रकार के रचनात्मक क्रिया-कलाप अति आवश्यक है। समर कैंप के आयोजन से बच्चों के साथ-साथ अभिभावक भी प्रसन्न दिखे। इस तरह के व्यवस्था की सराहना की। मौके पर प्राचार्य देवप्रिय मुखर्जी, सीसीए के विभागाध्यक्ष सुनील कुमार, शिक्षक अभिषेक मुखर्जी, दिलीप तपस्वी व अन्य मौजूद थे।

## न्यूज IN ब्रीफ

### गर्भवती महिला ने लगाया मारपीट व लूटपाट का आरोप, प्राथमिकी दर्ज

**साहिबगंज/उधवा :** राधानगर थाना क्षेत्र के कटहल बाड़ी खसपुरा गांव में एक 35 वर्षीय गर्भवती महिला रूलेखा बीबी पर गांव के ही कुछ लोगों ने घर में घुसकर हमला कर दिया। पीड़िता रूलेखा बीबी ने पुलिस को दिए अपने आवेदन में बताया है कि 13 मई को दोपहर करीब 2 बजे समरूद्दीन शेख, रसीद शेख, जाकिर शेख और एसराउल शेख नामक व्यक्तियों ने उनके घर में घुसकर अश्लील गालियां दीं और उन्हें घर व जमीन बेचकर कहीं और चले जाने की धमकी दी। विरोध करने पर आरोपियों ने उनके साथ मारपीट की। आरोप है। रसीद शेख ने उनके बाल पकड़कर जमीन पर गिरा दिया और पेट पर लात मारी जबकि एसराउल शेख ने उनका गला दबाकर जान से मारने की कोशिश की। जाकिर शेख ने उनके कान से सोने की बाली भी छीन ली।हमले में गंभीर रूप से घायल रूलेखा बीबी बेहोश हो गईं। जिसके बाद स्थानीय लोगों के पहुंचने पर आरोपी मौके से फरार हो गए। पीड़िता को इलाज के लिए पहले राजमहल अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया। जहां से उन्हें बेहतर इलाज के लिए बाहर रेफर कर दिया गया है। वर्तमान में उनका इलाज मालदा में चल रहा है। पीड़िता ने राधानगर पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की गुहार लगाई है। मामले को लेकर पुलिस ने उक्त आरोपित के विरुद्ध कांड संख्या 176/25 दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

### बकरी के अनाज खाने पर महिला से मारपीट, तीन पर प्राथमिकी दर्ज

**साहिबगंज/उधवा :** राधानगर थाना क्षेत्र के चांद शहर पंचायत में सोमवार को एक महिला के साथ पड़ोसी के घर की बकरी के अनाज खाने को लेकर मारपीट की गई। चांद शहर निवासी पीड़ित महिला लुतफुल बेवा ने सोमवार को थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस ने पीड़िता के बयान पर तीन लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।पीड़िता लुतफुल बेवा का आरोप है कि पड़ोसी आमेनुर बीबी की बकरी अक्सर उनके घर में घुसकर अनाज खा जाती है। सोमवार को भी जब ऐसा हुआ, तो वह आमेनुर बीबी के घर शिकायत करने गईं। उन्होंने आमेनुर बीबी से अपनी बकरी को बांधकर रखने की बात कही, जिस पर उसके पति ने गाली-गलौज किया और अपनी पत्नी से उन्हें मारने की धमकी दी। लुतफुल बेवा का आरोप है कि आमेनुर बीबी और कुलसुम बीबी ने मिलकर उनके बाल पकड़कर उन्हें जमीन पर पटक दिया और लात-घूंसों से मारपीट की। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आमेनुर बीबी ने चोरी की नीयत से उनके कान से सोने की बाली छीन ली। आसपास के लोगों ने बीच-बचाव कर उनकी जान बचाई। पुलिस ने पीड़िता लुतफुल बेवा के बयान पर तीन लोगों के विरुद्ध कांड संख्या 173/25 दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

### डकैती कांड का आरोपी गिरफ्तार

**साहिबगंज/उधवा :** डकैती मामले में बिहार के किशनगंज जिले की पुलिस ने सोमवार को राधानगर थाना पुलिस के साथ संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया। छापेमारी के दौरान पुलिस ने राधानगर थाना क्षेत्र के पियारपुर गांव से आलमगीर शेख नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। यह गिरफ्तारी किशनगंज थाने में लगभग दस साल पहले जुलाई 2015 में दर्ज हुए एक डकैती के मामले से जुड़ी हुई बताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के अनुसार वर्ष 2015 में किशनगंज थाने में कांड संख्या 268/15 के तहत डकैती का एक मामला दर्ज किया गया था। इस मामले की तफ्तीश पिछले कई वर्षों से चल रही थी। गहन अनुसंधान के दौरान पुलिस को राधानगर थाना क्षेत्र के पियारपुर गांव के रहने वाले आलमगीर शेख की इस डकैती में संलिप्तता के ठोस सबूत मिले थे। अपनी जांच को आगे बढ़ाते हुए किशनगंज पुलिस की एक टीम सोमवार को राधानगर पहुंची और स्थानीय पुलिस के सहयोग से पियारपुर गांव में आलमगीर शेख के ठिकाने पर दबिश दी। इस छापेमारी के दौरान पुलिस ने आलमगीर शेख को उसके घर से गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आलमगीर शेख को आगे की कानूनी प्रक्रिया के लिए स्थानीय न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय से अनुमति मिलने के बाद किशनगंज पुलिस आलमगीर शेख को रिमांड पर लेकर किशनगंज जाएगी, जहां उससे डकैती के मामले में पूछताछ करेगी।

### छात्र समन्वय समिति व विभिन्न सामाजिक संगठनों की आयोजित संयुक्त बैठक संपन्न

**दुमका :** फूलों झानो मुर्मू गोलंबर चौक दुमका में छात्र समन्वय समिति एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों की संयुक्त बैठक डॉ श्याम देव हेंब्रम की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि अमरपाड़ा से दुमका एनएच हाईवे रोड में कोयला ढुलाई एवं रेलवे स्टेशन के बगल में कोयला डंपिंग से आम लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है और दिन प्रतिदिन लोगों को अपना जान गंवाना पड़ रहा है बैठक को संबोधित करते हुए राजीव बास्की ने कहा किएनएच हाईवे पब्लिक रोड में कोयला ढुलाई बंद होना चाहिए। कंपनी को निजी रोड बनाकर कोयला ढुलाई करना चाहिए।कॉल माइंस एवं कोयला ढुलाई तथा डंपिंग में क्षेत्र के लोगों को रोजगार में शतप्रतिशत भागीदारी सुनिश्चित करना चाहिए। कॉल माइंस क्षेत्र में सम्पूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार उपलब्ध कराना चाहिए।दुमका रेलवे स्टेशन से पर्यावरण प्रदूषण से राहत पाने के लिए कोयला डंपिंग को जनहित में हटाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगली बैठक 25 माई 2025 रविवार को फूलों झानो मुर्मू गोलंबर चौक में समय 2:00 आहूतकी गई है `बैठक में राजेंद्र मुर्मू, सोनेलाल हेंब्रम (प्रधान), इमानुएल हांसदा, स्टीफन टुडू (सिंगर), एलिस मुर्मू,आमोद बास्की, सरोज सोरेन, ज्वेल टुडू, मोनिका मरांडी,मीना मुर्मू, अंकित टुडू, सरस्वती हेंब्रम, कामराज मुर्मू, कालीचरण हांसदा एवं सुभाष बेसरा व अन्य मौजूद थे।

# बेरोजगार दीदियों को प्रशिक्षित कर उन्हें मुख्य धारा व रोजगार से जोड़ना जरूरी : उपेंद्र

मेट्रो रेज

**साहिबगंज :** भारतीय स्टेट बैंक ग्रामीण रोजगार प्रशिक्षण संस्थान साहिबगंज के माध्यम से 35 दिवसीय जूनियर ब्यूटी प्रैक्टिशनर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक सुधीर कुमार,आरसेटी के निदेशक रविन्द्र कुमार, प्रशिक्षक राजहंस कुमार उपेंद्र गोप ने सभी प्रशिक्षुओं को प्रमाण पत्र देकर उनके उज्जवल भविष्य का कामना किए।प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गांव के बेरोजगार दीदियों को प्रशिक्षित कर उनको मुख्य धारा सह रोजगार से जोड़ने के लिए प्रशिक्षण देना है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड आजीविका सखी मंडल जेएसएलपीएस साहिबगंज की कुल 35 दीदियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा था। जो गांव की दीदियों को ब्यूटी पार्लर के साथ साथ बचत की आदत को डालने के लिए प्रेरित किया जाना है।इस कार्यक्रम में कुल आजीविका सखी मंडल की 35 दीदियों को प्रशिक्षित किया गया।जो विभिन्न प्रखंडों से आए हुए हैं जिसमें राजमहल,बरहरवा पतना,बोरियों एवं तालझारी के प्रशिक्षु उपस्थित हैं।मौके पर आरसेटी के सहायक रंजीत कुमार ठाकुर,आकाश कुमार व तौफीक आलम,सुरेन्द्र मुर्मू,नीरज कुमार शर्मा उपस्थित थे।

# राजकीय मध्य विद्यालय लखीपुर में प्रबंधन समिति का चुनाव गुपचुप तरीके से संपन्न

पोषक क्षेत्र से बाहर के लोगों के शामिल होने पर ग्रामीणों ने जताया कड़ा विरोध

मेट्रो रेज

**साहिबगंज :** राजमहल प्रखंड अंतर्गत राजकीय मध्य विद्यालय लखीपुर में विद्यालय प्रबंधन समिति एसएमसी का चुनाव गोपनीय व मनमाने ढंग से कराए जाने का गंभीर आरोप सामने आया है।स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि इस चुनाव की कोई पूर्व सूचना नहीं दी गई और न ही पोषक क्षेत्र के अभिभावकों को इसकी प्रक्रिया में शामिल किया गया।यह चुनाव प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी राजमहल के नेतृत्व में और विद्यालय के प्रभारी पारा शिक्षक ओम प्रकाश मंडल के निर्देशन में संपन्न कराया गया।आरोप है कि विशेष समुदाय के कुछ लोगों को मनोनीत करते हुए समिति में पोषक क्षेत्र के बाहर के लोगों को शामिल किया गया।जो कि एसएमसी गठन की निर्धारित प्रक्रिया का सीधा उल्लंघन है।जैसे ही इस बात की जानकारी स्थानीय लोगों को मिली मिस्त्री टोला,घोष टोला,चाय टोला तथा बंगाली टोला के कई प्रतिनिधि जिनमें लक्ष्मण शाह,मनोज शाह,रतन दास,जीतन कर्मकार,वरुण घोष,धनंजय घोष,सपन दास,मुकेश घोष व अन्य शामिल थे। सभी विद्यालय पहुंचे और इस प्रक्रिया पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। विरोध स्वरूप ग्रामीणों ने स्कूल परिसर से बहिष्कार किया। ग्रामीणों का कहना था कि यह संपूर्ण प्रक्रिया न केवल असंवैधानिक है। बल्कि शिक्षा विभाग की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर भी गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है। वे मांग कर रहे हैं कि इस चुनाव को तत्काल अवैध घोषित किया जाए,दोषी पदाधिकारियों और शिक्षकों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाए और नए सिरे से निष्पक्ष व पारदर्शी प्रक्रिया के तहत चुनाव कराया जाए,जिसमें पोषक क्षेत्र के समस्त अभिभावकों को जानकारी व भागीदारी सुनिश्चित की जाए।वही प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी नेता सारे आरोप को बेबुनियाद बताया।

# यूथ मोबिलाइजेशन सह-रोजगार शिविर संपन्न

मेट्रो रेज

**बासुकीनाथ :** झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस) द्वारा संचालित दीन दयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना (डीडीयू-जीकेवाई) के अंतर्गत जरमुंडी प्रखंड के नोनीहाट आजीविका संकुल में सोमवार को संकुल स्तरीय यूथ मोबिलाइजेशन सह-रोजगार शिविर का सफल आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के युवक-युवतियों को विभिन्न प्रकार के कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर उन्हें आजीविका से जोड़ना और बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराना रहा। संकुल क्षेत्र के सभी चार पंचायतों से लगभग 50 युवक एवं युवतियों ने इस शिविर में सक्रिय भागीदारी की। शिविर में उपस्थित प्रशिक्षण प्रदाता संस्थानों ने युवाओं को जीडीए (जनरल ड्यूटी असिस्टेंट), एसएमओ (सिक्योरिटी मैनेजमेंट ऑपरेशन्स), कंप्यूटर ऑपरेटर, इलेक्ट्रिकल, गैस पाइप फिटर एवं लॉजिस्टिक जैसे ट्रेड्स की जानकारी दी एवं प्रशिक्षण हेतु उनका चयन किया। प्रतिनिधियों द्वारा युवाओं को ट्रेड से संबंधित कार्यप्रणाली, प्रशिक्षण प्रक्रिया, रोजगार की संभावनाएं, कार्यस्थल की स्थिति एवं आवश्यक योग्यता की जानकारी दी गई, जिससे युवाओं में नई ऊर्जा एवं जागरूकता देखने को मिली। इस अवसर पर जेएसएलपीएस दुमका से जिला कार्यक्रम प्रबंधक निशांत एक्का, जिला प्रबंधक भोलानाथ गुप्ता, दिवाकर मंडल, सचिन नितेश, जिला समन्वयक मो। फैजुल रहमान, प्रखंड स्तर के सभी कर्मी एवं संकुल संगठन की दीदियाँ भी उपस्थित रहीं। यह आयोजन ग्रामीण युवाओं को कौशल आधारित आजीविका से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ, जो उन्हें आत्मनिर्भर और रोजगारोन्मुख बनाने में सहायक सिद्ध होगा।

# पीड़ित परिवार ने एसपी ऑफिस के सामने दिया धरना

एसआइ के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज न होने पर दिखे नाराज

**दुमका :** एक परिवार ने आवेदन दिये जाने के बाद भी प्राथमिकी दर्ज न होने पर संबंधित एसआइ पर गंभीर आरोप लगाया है। न्याय की मांग को लेकर एसपी ऑफिस के सामने सोमवार को धरना पर बैठ गया। पीड़ित परिवार का कहना है कि दुमका के एसपी के आदेश पर भी उनका एफआइआर नहीं की जा रही है। देर तक महिला नीरू नाग अपने बेटे, बहु और पोता के साथ एसपी ऑफिस के सामने धरना पर बैठी रही। नीरू नाग ने यह भी आरोप लगाया कि जब उसका बेटा घर पर नहीं था तब मोहल्ले के कुछ लोगों ने दंबगई दिखाते हुए उसका घर तोड़.दिया और उसके साथ मारपीट की। उसके बहू और बेटे को भी मारा। इसके बाद भी नगर थाना का एसआइ उन लोगों का एफआइआर नहीं ले रहे है और उल्टा धमकी दे रहे है। पीड़ित अमित नाग ने बताया कि वह जब काम पर गया था, उसी समय असामाजिक तत्वों ने उसका घर तोड़ दिया। उन्होंने उसी दिन नगर थाने में शिकायत की थी, उसके बावजूद नगर थाना के एसआई ने कोई कार्रवाई नहीं की तो एसपी पीतांबर सिंह खेरवार की पास गुहार लगायी। एसपी ने तुरंत नगर थाना को मामला दर्ज करने का निर्देश दिया, लेकिन अब तक इन लोगो मामला दर्ज नहीं हुआ।

# बालू लदा ट्रैक्टर जब्त

**चतरा।** पुलिस ने बालू लदे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। सोमवार को पुलिस ने मेराल पंचायत के मेरमगड़ा से अवैध बालू लदे एक ट्रैक्टर को जब्त किया है। यह कार्रवाई अंचलाधिकारी उदल राम और थाना प्रभारी राकेश कुमार के नेतृत्व में की गई है। बालू का उठाव करते आईसर ट्रैक्टर को पकड़ा गया है। ट्रैक्टर में 100 सीएफटी बालू लदा था। पत्थलगडा के सीमावर्ती मेरमगड़ा नदी से बालू की तस्करी होने की सूचना के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। यह जगह जंगलों और पहाड़ों से घिरा हुआ है। हालांकि आरोपित भागने में सफल रहे। ट्रैक्टर के मालिक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

# गया शहर का नाम गया जी किया जाना सराहनीयः अशोक कुमार सिंह

### बख्तियारपुर का नाम बदलकर 'मगध द्वार' करने की मांग

मेट्रो रेज

**रांची/पटना :** बख्तियारपुर प्रखंड के करनौती ग्राम निवासी भाजपा के वरिष्ठ नेता व जाने-माने सामाजिक कार्यकर्ता अशोक कुमार सिंह ने बिहार के पौराणिक, ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के शहर गया का नामकरण 'गया जी' किए जाने के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के निर्णय की सराहना की है। उन्होंने कहा कि मोक्ष भूमि गया जी की पहचान गयासुर से है। शास्त्रों के मुताबिक गयासुर धर्मनिष्ठ व विष्णु भक्त थे। हमारे यहां नाम के आगे सम्मान में 'जी' लगाने की परंपरा है। आधिकारिक मान्यता नहीं होने के कारण गया की पहचान 'गया जी' के रूप में स्थापित नहीं हो पाई थी। अब बिहार सरकार द्वारा कैबिनेट की बैठक में आधिकारिक रूप से इसे स्वीकृति दे दी गई। बिहार सरकार का यह कदम स्वागत योग्य है।

### बख्तियारपुर का नाम 'मगध द्वार' करने की मांग

श्री सिंह ने कहा कि पटना जिले के बख्तियारपुर प्रखंड का नाम 'मगध द्वार' करने की मांग विगत कई वर्षों से की जा रही है।

उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि प्राचीन भारत के प्रमुख शिक्षा केंद्र नालंदा विश्वविद्यालय को नष्ट करने में क्रूर मुगल शासक बख्तियार खिलजी की भूमिका रही है। उसने अपने एक सेनापति इख्तियारूद्दीन बख्तियार खिलजी के भतीजे मोहम्मद बिन बख्तियार खिलजी के माध्यम से 1204 ईस्वी में नालंदा विश्वविद्यालय पर हमला कर उसे नष्ट कर दिया। इससे विश्वविद्यालय के विशाल पुस्तकालय एवं भवन को काफी नुकसान पहुंचा। भारतीय इतिहास व संस्कृति के लिए यह बहुत बड़ी क्षति थी। इस हमले में पुस्तकालय में रखी हजारों पुस्तकें एवं पांडुलिपियां नष्ट हो गईं। उक्त क्रूर मुगल शासक के नाम पर अब भी इस स्थान का नाम बरकरार है।

श्री सिंह ने कहा कि इस क्षेत्र के नागरिकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा पूर्व में भी बख्तियारपुर का नाम 'मगध द्वार' करने की मांग की जाती रही है। मगध द्वार के नाम की सार्थकता इस बात से भी है कि इस क्षेत्र से होकर ही मगध की तत्कालीन राजधानी राजगृह जाने का मार्ग है।

उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इस संबंध में पहल कर क्षेत्र की जनता की चिरप्रतीक्षित मांग को पूरा करने का अनुरोध किया है।

# 'केसरी वीर' की रिलीज डेट आगे बढ़ी

फिल्म 'केसरी वीर-लीजेंड ऑफ सोमनाथ' 16 मई 2025 को थिएटर में रिलीज होने वाली थी, अब इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। इस फिल्म में सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली और विवेक ओबेरॉय जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। पिछले दिनों सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली और विवेक ओबेरॉय अपनी फिल्म 'केसरी वीर' का प्रमोशन करते नजर आए। यह फिल्म पहले 16 मई 2025 को रिलीज होने वाली थी। अचानक इस फिल्म की रिलीज डेट बदल दी गई है। जानिए, फिल्म 'केसरी वीर' की नई रिलीज डेट क्या है?

### क्या है फिल्म की कहानी-किरदार

फिल्म 'केसरी वीर' में सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली ने योद्धाओं के रोल किए हैं वहीं विवेक ओबेरॉय खलनायक के रोल में नजर आ रहे हैं। फिल्म 'केसरी वीर' की कहानी की बात की जाए तो इसमें सोमनाथ मंदिर पर हुए हमले की एक ऐतिहासिक कहानी दिखाई जाएगी। कैसे कुछ योद्धाओं ने इस मंदिर की रक्षा की थी। इस फिल्म में एक्ट्रेस अकांक्षा शर्मा भी नजर आंएगी। फिल्म 'केसरी वीर' को प्रिंस धीमान निर्देशित कर रहे हैं।

### चर्चा में सूरज पंचोली-सुनील शेट्टी का लुक

फिल्म 'केसरी वीर' के टीजर-ट्रेलर की सोशल मीडिया पर काफी चर्चा भी हुई है। इस फिल्म में सूरज पंचोली और सुनील शेट्टी का लुक भी काफी हटकर है। एक्शन सींस भी बड़ी संख्या में फिल्म के ट्रेलर में दिखाए गए है। फिल्म 'केसरी वीर-लीजेंड ऑफ सोमनाथ' 16 मई 2025 को थिएटर में रिलीज होने वाली थी, अब इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ा दी गई है। इस फिल्म में सुनील शेट्टी, सूरज पंचोली और विवेक ओबेरॉय जैसे कलाकार मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे। जानिए, अब कब रिलीज होगी फिल्म 'केसरी वीर'।

# द केरल स्टोरी को दो साल पूरे, अदा शर्मा ने कहा, लड़कियों की रोल मॉडल बनने पर खुश हूं

**5 मई** 2023 को बड़े पर्दे पर एक फिल्म रिलीज हुई, जिसका नाम है द केरल स्टोरी... इस फिल्म को लेकर खूब बवाल मचा। फिल्म की कहानी केरल की चार लड़कियों के धर्मांतरण पर आधारित है। फिल्म में लव जिहाद, हिजाब और आईएसआईएस जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया, जिसके चलते इस फिल्म को काफी विरोध का सामना करना पड़ा। आज इस फिल्म को रिलीज हुए दो साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर एक्ट्रेस अदा शर्मा ने आईएएनएस से बात की और बताया कि क्यों यह फिल्म आज भी दर्शकों के दिलों में बसी हुई है।

अदा ने कहा, दर्शक और बॉक्स ऑफिस नाम, पैसे या पारिवारिक पहचान नहीं देखते। वे काम और मेहनत देखते हैं। मैं दर्शकों की आभारी हूं। मैं ऐसे बहुत से लोगों से मिलती हूं, जिन पर फिल्म ने गहरा असर डाला है और सबसे प्यारी बात, जिसकी मुझे बहुत खुशी है कि मैं देश की लड़कियों और महिलाओं के लिए एक प्रेरणा बन पाई हूं। एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया पर फिल्म से जुड़ी कुछ बीटीएस फोटोज शेयर की। इंस्टाग्राम पर शेयर की गई तस्वीरों में अदा के शरीर पर चोटों और घावों के निशान साफ नजर आ रहे हैं, जो उनके किरदार का हिस्सा थे।

इन फोटोज को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, इंसान का दिमाग 75 प्रतिशत पानी से बना होता है। पानी की कमी से आपका फोकस, मेमोरी और सोचने की शक्ति पर असर पड़ सकता है। फिल्म द केरल स्टोरी के लिए मुझे कुछ अच्छा पोस्ट करना है, लेकिन इतने सारे फोटोज और वीडियोज हैं कि समझ नहीं आ रहा क्या पोस्ट करूं। सबके साथ बहुत सारे इमोशन्स जुड़े हुए हैं। 5 मई को आपने इतिहास रच दिया। थैंक यू आप सभी को! द केरल स्टोरी में अदा शर्मा ने एक हिंदू परिवार की लड़की शालिनी उन्नीकृष्णन का किरदार निभाया था, जो नर्स बनने का सपना लेकर घर से दूर एक कॉलेज में आती है। यहां उसकी मुलाकात आसिफा से होती है। जैसे-जैसे फिल्म की कहानी आगे बढ़ती है तो पता चलता है कि आसिफा आईएसआईएस के लिए लड़कियां भेजने का काम करती है। फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे आसिफा अपने साथियों की मदद से लड़कियों को अपना धर्म बदलने के लिए उकसाती है। यह फिल्म 5 मई, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई और साल की नौवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई। फिल्म के निर्देशक सुदीप्तो सेन और निर्माता विपुल अमृतलाल शाह हैं।

# मल्लिका शेरावत का हेल्थ फंडा

## वीडियो शेयर कर बताया क्या पीने से मिलती है नेचुरल एनर्जी?

**बॉलीवुड** की खूबसूरत और फिट अभिनेत्रियों में शामिल मल्लिका शेरावत को देखकर उम्र का अंदाजा लगाना आसान नहीं है। 48 की उम्र में वह अपनी उम्र से कई साल छोटी ही लगती हैं। इसके पीछे की वजह है, उनका सीक्रेट फिटनेस ड्रिंक! जिसका खुलासा उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया है। मल्लिका ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर कर बताया कि क्या पीने से शरीर को नेचुरल एनर्जी मिलती है? इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए वीडियो में मल्लिका कुछ पीती नजर आ रही हैं। वीडियो की शुरुआत करते हुए वह कहती हैं, ÷सभी को गुड मॉर्निंग, मैं आप सभी के साथ एक हेल्थ टिप शेयर करना चाहती हूं। मैं जब जागती हूं तो सबसे पहले नींबू को गुनगुने पानी में निचोड़कर पीती हूं। यह हेल्थ के लिए अच्छा होता है। इस वीडियो को शेयर करते हुए मल्लिका ने कैप्शन में लिखा- सुबह की शुरुआत गुनगुने पानी और ताजे नींबू के साथ करें। यह पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है, शरीर को हाइड्रेट करता है और आपको नेचुरल एनर्जी देता है। एक्ट्रेस के बारे में बात करें तो मल्लिका हरियाणा के रोहतक से हैं। उनका असली नाम रीमा लांबा है। एक्ट्रेस के पिता चाहते थे कि वह आईएएस ऑफिसर बनें, लेकिन उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर बनाया।

# रेड 2 की सफलता से वाणी कपूर बेहद खुश, बोलीं - ये सब सपने के सच होने जैसा

**2018** की हिट फिल्म रेड का सीक्वल रेड 2 सिनेमाघरों में धमाल मचा रहा है। इसका जलवा बॉक्स ऑफिस पर साफ देखा जा सकता है। रविवार को फिल्म ने 70.50 करोड़ रुपये कमाए, जिससे यह 100 करोड़ क्लब की तरफ बढ़ती नजर आ रही है। फिल्म की कमाई से स्टार कास्ट काफी खुश है। वाणी कपूर भी! जिन्होंने मुख्य अभिनेत्री का किरदार निभाया है।

वाणी कपूर काफी खुश हैं कि उनकी फिल्म रेड 2 सिर्फ चार दिनों में बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई है। अभिनेत्री ने फिल्म की सफलता पर खुशी जताते हुए कहा, बॉक्स ऑफिस पर सफलता पाना खास अहसास होता है, जैसे कोई सपना सच हो रहा हो। जब आप ऐसी फिल्म का हिस्सा बनते हैं जो दर्शकों से जुड़ती है, तो यह देखकर काफी अच्छा लगता है। फिल्म को मिल रही प्रतिक्रिया दिल को छू लेने वाली है। मैं इस फिल्म का हिस्सा बनकर खुद को बेहद भाग्यशाली महसूस कर रही हूं। वाणी फिल्म में अपनी एक्टिंग के लिए चारों ओर से तारीफें बटोर रही हैं। उन्होंने कहा, इस फिल्म की कहानी बहुत दमदार है। निर्देशक राज कुमार गुप्ता के साथ इस प्रोजेक्ट पर काम करना मेरे लिए शानदार अनुभव रहा है। इस फिल्म से बहुत कुछ सीखने को मिला है। मेरे किरदार की सराहना के लिए आप सभी का धन्यवाद।

# आईपीएल 2025 : सम्मान के लिए भिड़ेंगे सीएसके और राजस्थान रॉयल्स

एजेंसी

**नई दिल्ली।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और राजस्थान रॉयल्स की प्लेऑफ की उम्मीदें कब की खत्म हो चुकी हैं। दोनों ही टीमें अब केवल सम्मान के लिए इस मुकाबले में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में खेलने के उतरेगी।

इस मुकाबले में सबसे बड़ा सवाल यही होगा–कौन बच पाएगा इस सीजन की सबसे निचली पायदान यानी 'वुडन स्पून' से?

सीएसके और राजस्थान रॉयल्स के सीजन की कहानी एक जैसी खत्म हुई, लेकिन रास्ते काफी अलग रहे। राजस्थान रॉयल्स ने चार ऐसे मुकाबले गंवाए जो उनकी मुट्ठी में थे, वहीं चेन्नई की टीम अपने गौरवशाली इतिहास की परछाई बनकर रह गई। यह फ्रेंचाइजी का शायद अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन रहा है। जहां टीम के स्तर पर अब कोई बड़ी प्रेरणा नहीं बची है, वहीं व्यक्तिगत प्रदर्शन के लिहाज से यह मुकाबला कई खिलाड़ियों के लिए अहम साबित हो सकता है। युवा खिलाड़ियों और बाहर बैठे सितारों को खुद को साबित करने का एक और मौका मिलेगा, जो इस 'डेड-रबर' मुकाबले को देखने लायक बना सकता है। पिछले मुकाबले में इसी मैदान पर गुजरात टाइटंस ने आसानी से 200 का लक्ष्य हासिल किया था। हालांकि पिच में बदलाव संभव है, लेकिन आमतौर पर यहां आक्रामक बल्लेबाजी को मदद मिलती है। हेड टू हेड की बात करें तो सीएसके का राजस्थान पर अब तक 16-14 का बढ़त है, लेकिन साल 2020 के बाद से राजस्थान ने चेन्नई के खिलाफ 9 में से 7 मैच जीते हैं।

राजस्थान के कप्तान संजू सैमसन, चेन्नई के स्पिन जोड़ी अश्विन-जडेजा के खिलाफ ज्यादा स्ट्राइक रेट से नहीं खेल पाए हैं। छोटे मैदान के बावजूद यह जोड़ी उन्हें परेशान कर सकती है।

# अभिषेक शर्मा के साथ तीखी बहस के बाद दिग्वेश राठी एक मैच के लिए निलंबित

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद ने लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) को छह विकेट से हरा दिया। इस मैच में एलएसजी के स्पिनर दिग्वेश राठी हैदराबाद के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से भिड़ गए थे। आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने की वजह से अब उन्हें एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है। इससे दिग्वेश 22 मई को अहमदाबाद में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में नहीं खेल पाएंगे। इसके अलावा दिग्वेश पर मैच फीस का 50 प्रतिशत जुमार्ना भी लगा है। आईपीएल द्वारा जारी बयान में बताया गया कि लखनऊ सुपर जायंट्स के गेंदबाज दिग्वेश सिंह पर सोमवार को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 50 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है।

बयान में आगे बताया कि यह इस सीजन में अनुच्छेद 2.5 के तहत दिग्वेश का तीसरा लेवल 1 अपराध था और इसलिए उन्होंने दो डिमेरिट अंक अर्जित किए हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने पहले तीन डिमेरिट अंक

अर्जित किए थे- 01 अप्रैल को पंजाब किंग्स के खिलाफ एक डिमेरिट अंक और 04 अप्रैल को मुंबई इंडियंस के खिलाफ दो डिमेरिट अंक। चूंकि अब इस सत्र में उनके खाते में पांच डिमेरिट अंक हैं, जिसके कारण उन पर एक मैच का निलंबन लगाया गया है।

यह घटना एसआरएच की पारी के आठवें ओवर में घटी, जब अभिषेक शर्मा जबरदस्त फॉर्म में थे और सिर्फ 19 गेंदों में 59 रन ठोक चुके थे। सनराइजर्स का स्कोर 99/1 था और टीम मजबूती से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी। ऐसे में एलएसजी के कप्तान ऋषभ पंत ने ब्रेकथ्रू के लिए दिग्वेश राठी को गेंद सौंपी और राठी ने उम्मीद के मुताबिक सफलता दिलाई, जब अभिषेक ने एक्स्ट्रा कवर पर कैच थमा दिया। इसके बाद जो हुआ उसने इस अहम पल की गरिमा को बिगाड़ दिया। जैसे ही अभिषेक मैदान छोड़ने लगे, राठी ने उन्हें तीखी नजरों से घूरते हुए आक्रामक अंदाज में नोटबुक सेलिब्रेशन किया। यह देख अभिषेक भड़क गए और राठी की ओर पलट कर बढ़ने लगे। दोनों के बीच कुछ तीखे शब्दों का आदान-प्रदान हुआ, जिसके बाद अंपायर और एलएसजी के खिलाड़ियों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया।

### अभिषेक पर भी लगा जुमार्ना

सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा पर भी उनकी प्रतिक्रिया के लिए जुमार्ना लगाया है। बयान में बताया कि सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा पर मैच के दौरान आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुमार्ना लगाया गया है। इस सीजन में अनुच्छेद 2.6 के तहत यह उनका पहला लेवल 1 अपराध था और इसलिए,उन्हें एक डिमेरिट अंक मिला है।

# ब्राजील के पूर्व मिडफील्डर रेनेटो ऑगस्टो ने फ्लुमिनेंस क्लब को कहा अलविदा

एजेंसी

**रियो डी जेनेरियो।** ब्राजील के पूर्व अंतरराष्ट्रीय मिडफील्डर रेनेटो ऑगस्टो ने रियो डी जेनेरियो स्थित फुटबॉल क्लब फ्लुमिनेंस से आपसी सहमति के आधार पर अपना नाता तोड़ लिया है। क्लब ने सोमवार को एक संक्षिप्त सोशल मीडिया बयान में यह जानकारी दी। फ्लुमिनेंस क्लब ने 37 वर्षीय खिलाड़ी के जाने के पीछे किसी कारण का उल्लेख नहीं किया। क्लब ने अपने बयान में कहा, 'फ्लुमिनेंस खिलाड़ी द्वारा दिए गए योगदान के लिए धन्यवाद करता है और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं देता है।'

रेनेटो ऑगस्टो ने जनवरी 2024 में कोरिंथियंस से फ्लुमिनेंस में शामिल होकर सभी प्रतियोगिताओं में कुल 36 मैच खेले। उनका अनुबंध दिसंबर 2024 तक था, लेकिन उन्होंने समय से पहले ही क्लब को छोड़ दिया। 20 साल के अपने पेशेवर करियर में रेनेटो ने फ्लेमेंगो, जर्मन क्लब बायर लेवरकुसेन और चीनी क्लब बीजिंग गुओआन के लिए भी खेला है। वे ब्राजील की राष्ट्रीय टीम के लिए 33 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं और 2018 फीफा वर्ल्ड कप में ब्राजील की उस टीम का हिस्सा रहे जो क्वार्टरफाइनल तक पहुँची थी। रेनेटो के इस फैसले के बाद फुटबॉल जगत में उनके अगले कदम को लेकर अटकलें शुरू हो गई हैं।

# भारत-पाक सीमा पर आज से बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी शुरू, लेकिन गेट नहीं खुलेंगे

एजेंसी

**चंडीगढ़।** भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव के कारण स्थगित की गई बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी मंगलवार शाम को फिर से शुरू हो रही है। बीएसएफ की तरफ से इसकी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। दोनों तरफ से जवान बंद गेटों के आर-पार खड़े होकर ही अपने-अपने देश के झंडे को उतारेंगे।

भारत-पाक तनाव के बीच सरकार के फैसले पर बीएसएफ ने बीती सात मई को रिट्रीट सेरेमनी को बंद कर दिया था। अब दोनों देशों के बीच हालात सामान्य होने के बाद मंगलवार शाम से 'बीटिंग रिट्रीट' सेरेमनी को शुरू किया जा रहा है। यह परेड समारोह अटारी-वाघा, हुसैनीवाला (फिरोजपुर) और सदकी बॉर्डर (फाजिल्का) पर आयोजित होती है, जो भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर रोजाना सांस्कृतिक और सैन्य शौर्य का प्रतीक बन चुका है।

बीएसएफ अधिकारियों ने रिट्रीट बहाल होने की तो पुष्टि की है, लेकिन पहले वाले स्वरूप में आयोजन को लेकर संशय बना हुआ है। सूत्रों के अनुसार अभी बीटिंग रिट्रीट में बदलाव किया गया है। इस दौरान गेट नहीं खोले जाएंगे, यानी कि भारत-पाकिस्तान के सुरक्षाबलों के बीच सामान्य रूप से हाथ मिलाने की परंपरा नहीं होगी। दोनों तरफ से जवान बंद गेटों के आर-पार खड़े होकर ही अपने-अपने देश के झंडे को उतारेंगे।

## रेलवे स्टेशन को उड़ाने वाला नक्सली लाल यादव को एसटीफ ने किया गिरफ्तार

**नवादा।** नवादा जिले के सिरदला पुलिस व बिहार एसटीएफ को बड़ी सफलता मिली है। निमार्णाधीन रेलवे स्टेशन को उड़ाने वाले आरोपित और हाईकोर नक्सली को मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित पर 2016 में निमार्णाधीन रेलवे स्टेशन उड़ाने का आरोप है। पुलिस ने नक्सली को जहानाबाद से गिरफ्तार किया है। कार्रवाई को पुलिस की बड़ी सफलता मानी जा रही है। सिरदला पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने जहानाबाद जिले के कल्पा थाना क्षेत्र के धुरिया गांव से हार्डकोर नक्सली लाल बाबू यादव को गिरफ्तार किया।

## बीएसएफ ने पांच माह में पकड़े पाकिस्तान से आए सौ ड्रोन

एजेंसी

**चंडीगढ़।** पंजाब में भारत-पाकिस्तान सीमा पर तैनात सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने इस साल में अब तक सीमा पार से घुसपैठ के लिए आए सौ ड्रोन पकड़े हैं। साथ ही बड़ी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद किया गया है। बीएसएफ की ओर से दी गई जानकारी में यह बताया गया है। बीएसएफ प्रवक्ता ने बताया कि इस वर्ष 18 मई को बल ने भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने वाले 100वें पाकिस्तानी ड्रोन को बरामद किया है। इस वर्ष अभी तक 111 किलोग्राम हेरोइन, 60 हथियार, 14 हथगोले और 10 किलोग्राम से अधिक उच्च विस्फोटक बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि तीन पाकिस्तानी घुसपैठियों को मार गिराया है, जबकि 66 भारतीय तस्करों और तीन पाकिस्तानी नागरिकों को पकड़ा गया है। बीएसएफ के

अनुसार ड्रोन का खतरा एक बड़ी चुनौती थी। बीएसएफ की त्वरित और रणनीतिक कार्रवाइयों के माध्यम से प्रभावी ढंग से मुकाबला किया गया है। प्रत्येक ड्रोन घुसपैठ को सावधानीपूर्वक ट्रैक किया जा रहा है, रोका जा रहा है और बरामद किया जा रहा है। अथक समर्पण और परिचालन उत्कृष्टता के साथ, बीएसएफ पंजाब फ्रंटियर देश की सीमाओं की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है और यह सुनिश्चित करता रहा है कि राष्ट्रीय सुरक्षा से समझौता करने के किसी भी प्रयास को तुरंत विफल कर दिया जाए।

## उपराष्ट्रपति धनखड़ आज से गोवा के तीन दिवसीय दौरे पर

**नई दिल्ली।** उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ आज से गोवा के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। उपराष्ट्रपति सचिवालय ने कल जारी बयान में यह जानकारी दी। बयान के अनुसार, उपराष्ट्रपति 21 मई को मुरगांव बंदरगाह का दौरा करेंगे। इस दौरान बंदरगाह की नई परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। धनखड़ इस दौरान मुरगांव बंदरगाह प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ बातचीत करेंगे। धनखड़ मुरगांव बंदरगाह पर तटरक्षक पोत पर भारतीय तटरक्षक बल के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ भी बातचीत करेंगे। 22 मई को उपराष्ट्रपति धनखड़ आईसीएआर-केंद्रीय तटीय कृषि अनुसंधान संस्थान (सीसीएआरआई) का दौरा करेंगे। इस दौरान वो संकाय सदस्यों और वैज्ञानिकों से बातचीत करेंगे। गोवा की अपनी यात्रा के दौरान उपराष्ट्रपति गोवा के राजभवन भी जाएंगे।

## एसजीपीसी का दावा- भारत-पाक तनाव के बीच सेना ने दरबार साहिब पर नहीं लगाई एयर गन

### मुख्य ग्रंथी बोले- ब्लैकआउट में दरबार साहिब की मयार्दा अनुसार जलाई लाइटें

एजेंसी

**चंडीगढ़।** शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने भारतीय सेना के उस बयान को सिरे से खारिज किया है, जिसमें कहा गया था कि भारत-पाक तनाव के बीच हरिमंदिर साहिब में हवाई सुरक्षा गन लगाई गई थी। सचखंड हरिमंदिर साहिब के अतिरिक्त मुख्य ग्रंथी ज्ञानी अमरजीत सिंह ने सेना के बयान को पूरी तरह से हैरान करने वाला करार दिया। उन्होंने कहा कि अमृतसर जिला प्रशासन की तरफ से शहर में ब्लैक आउट के दौरान जारी किए गए निदेर्शों के दौरान दरबार साहिब प्रबंधन ने पूरा सहयोग किया है।

शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने मंगलवार को जारी एक बयान में कहा कि दरबार साहिब की बाहरी तथा ऊपरी लाइटों को

तय समय पर बंद किया गया। दरबार साहिब की मयार्दा के अनुसार लाइटों को चलाया गया। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के लेफ्टिनेंट जनरल का यह दावा गलत है कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मुख्य ग्रंथी की तरफ से सेना को सचखंड हरिमंदिर साहिब में अपनी हवाई सुरक्षा गन लगाने की स्वीकृति दी गई थी। दरबार साहिब प्रबंधन की तरफ से ऐसी कोई स्वीकृति नहीं दी गई और न ही ऐसा कोई घटनाक्रम हुआ है।

उन्होंने कहा कि दरबार साहिब समूह, लंगर हाल, अखंड पाठ वाले स्थान तथा अन्य संबंधित गुरू स्थानों पर रोजाना चलने वाली मयार्दा जरूरी होती है, जिसमें किसी को भी बिघ्न डालने का अधिकार नहीं है। भारत-पाक तनाव के दौरान भी मयार्दा का पूरी तरह से पालन किया गया है। उन्होंने कहा कि ब्लैकआउट के समय किसी भी गुरू स्थान पर लाइटें बंद नहीं की गई। इस बीच एसजीपीसी के अध्यक्ष हरजिंदर सिंह धामी ने कहा कि ब्लैकआउट के समय जिला प्रशासन की सभी हिदायतों का पालन किया गया है। सेना की तरफ से हवाई गन लगाने के संबंध में न तो किसी ने संपर्क किया और न ही यहां ऐसी कोई गन लगाई गई।

## मणिपुर : दो युवकों के अपहरण मामले में चार गिरफ्तार जबरन वसूली करने पर पांच उग्रवादी भी दबोचे

एजेंसी

**इंफाल।** मणिपुर पुलिस ने दिल्ली और जयपुर के दो युवकों के अपहरण और फिरौती मांगने के मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस के प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि ये गिरफ्तारियां इंफाल पश्चिम जिले के हिमालयन टाइल्स नाका से की गई हैं।

प्रवक्ता ने बताया कि पीड़ितों को नेटवर्किंग बिजनेस का प्रशिक्षण देने के बहाने इंफाल बुलाया गया था। वहां पहुंचने के बाद उन्हें अगवा कर लिया गया और जान से मारने की धमकी देते हुए फिरौती की मांग की गई। आरोपित खुद को हथियारबंद गुंडा बताकर पीड़ितों को बंधक बनाए हुए थे। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए इन्हें छुड़ा लिया। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान लैश्रम हेल्लरी मैतेई (35), थांगजाम लेंबा सिंह (27), हुईरेम आनंद सिंह (43) और नाहकपम नरेश सिंह (28) के रूप में हुई है।

इनके पास से एक .32 बोर की पिस्तौल, पांच जिंदा कारतूस, दो बंदूक के लाइसेंस, एक पॉकेट नाइफ, दो मोबाइल फोन और एक चार पहिया वाहन बरामद किया गया है। पुलिस चारों से पूछताछ कर रही है।

इसके अलावा पुलिस ने अलग-अलग जगहों से पांच उग्रवादी गिरफ्तार किए हैं। प्रतिबंधित उग्रवादी संगठन केसीपी (पीडब्ल्यूजी) की सक्रिय महिला कैडर लैइमापोकपम एबेम चानू उर्फ सनाथोई उर्फ मोनिका (25) को वांगोई थाना क्षेत्र के वहेंगखुमन मैनिंग लाइकाई से गिरफ्तार किया गया। वह क्षेत्र के पेट्रोल पंपों से जबरन वसूली में शामिल बताई जा रही है। उसके पास से एक मोबाइल, दो सिम कार्ड और आधार कार्ड बरामद हुए हैं। इंफाल थाना क्षेत्र के सगोलबंद थिंगोम लाइकाई में एक किराए के मकान से केसीपी (पीडब्ल्यूजी) के तीन और कैडरों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में ओइनम शांतिकेशोर सिंह उर्फ इनाओटन उर्फ शांति खुमान (35), कांगबम सोनी चानू उर्फ थोइथोइ (18) और लैशांगथेम उमा देवी उर्फ टोंबिमाचा (21) शामिल हैं। इन पर दुकानदारों से वसूली करने का आरोप है। इनके पास से चार मोबाइल फोन, दो वॉलेट, 2620 रुपये नकद और दो आधार कार्ड मिले हैं।

एक अन्य अभियान में आरपीएफ/पीएलए के कैडर हुईरेम दिनेश मैतेई उर्फ सानौटन (32) को सिंघजामेई थाना क्षेत्र के मीतई लामखाई चाजिंग से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया।

## वरिष्ठ राकांपा नेता छगन भुजबल ने मंत्री पद की शपथ ली

एजेंसी

**मुंबई।** राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा एपी) के वरिष्ठ नेता छगन भुजबल ने मंगलवार सुबह राजभवन में महाराष्ट्र सरकार में मंत्री पद की शपथ ली। राजभवन में आयोजित शपथ ग्रहण कार्यक्रम में राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने भुजबल को मंत्री पद की शपथ दिलाई है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, वरिष्ठ राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल सहित कई मंत्री और प्रमुख नेता मौजूद थे। वरिष्ठ एनसीपी नेता होने के बावजूद छगन भुजबल को महायुति मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिली थी। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मंत्री समूह में धनंजय मुंडे को शामिल किया गया था लेकिन धनंजय मुंडे पर भ्रष्टाचार का आरोप लगने के बाद उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था इसलिए धनंजय मुंडे के इस्तीफे से रिक्त हुए मंत्री पद पर आज छगन भुजबल को मंत्री पद की शपथ दिलाई गई है। छगन भुजबल ने कहा कि मैं राज्य के मुख्यमंत्री देवेंद्र

फडणवीस, दोनों उपमुख्यमंत्रियों, साथ ही सुनील तटकरे और प्रफुल्ल पटेल को तहे दिल से धन्यवाद देता हूं। इसी प्रकार, मैं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का भी आभार व्यक्त करता हूं। मैं येवला-लासलगाव निर्वाचन क्षेत्र की जनता, कार्यकताओं और पदाधिकारियों के साथ-साथ समता परिषद के सभी पदाधिकारियों और कार्यकताओं का विशेष आभार व्यक्त करना चाहता हूं। मैं उन सभी का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं जिन्होंने अब तक मुझ पर प्यार और विश्वास दिखाया है। छगन भुजबल ने कहा कि मंत्री पद के बारे में निर्णय मात्र आठ दिन पहले ही लिया गया था। तब यह निर्णय लिया गया कि शपथ ग्रहण समारोह सोमवार के बजाय मंगलवार को होगा।

# शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार पर दबाव, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी

**नई दिल्ली।** घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरूआत मामूली बढ़त के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारी के सपोर्ट से शेयर बाजार की चाल में कुछ देर के लिए तेजी भी आई, लेकिन थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने लाल निशान में गोता लगा दिया। सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.23 प्रतिशत और निफ्टी 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ कारोबार कर रहे थे।

10 बजे तक का कारोबार होने

के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, कोल इंडिया, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और इन्फोसिस के शेयर 2.05 प्रतिशत से लेकर 1.03 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर श्रीराम फाइनेंस, हीरो मोटोकॉर्प, आयशर मोटर्स, जियो फाइनेंशियल और एचडीएफसी बैंक के शेयर 1.02 प्रतिशत से लेकर 0.81 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे।

अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,356 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 973 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 1,383 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 12 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 18 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

बीएसई का सेंसेक्स आज 56.75 अंक की बढ़त के साथ 82,116.17 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होते ही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक करीब 200 अंक उछल कर 82,250.42 अंक तक पहुंच गया। हालांकि थोड़ी ही देर बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये सूचकांक अपनी सारी बढ़त गंवा कर लाल निशान में गिर गया। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 187.01 अंक की गिरावट के साथ 81,872.41 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 50.75 अंक उछल कर 24,996.20 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक कुछ ही मिनट में उछल कर 25,010.35 अंक के स्तर तक आ गया, लेकिन इसके बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच सुबह 10 बजे तक का कारोबार होने के बाद निफ्टी 53.60 अंक की कमजोरी के साथ 24,891.85 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 271.17 अंक यानी 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 82,059.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 74.35 अंक यानी 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,945.45 अंक के स्तर पर सोमवार के कारोबार का अंत किया था।

## न्यूज IN ब्रीफ

### भारत-पाक तनाव के चलते दो सप्ताह बाद पंजाब के किसानों ने फेंसिंग पार खेतों में किया काम

**चंडीगढ़।** भारत व अफगानिस्तान के बीच वाया पाकिस्तान वाहनों का दोबारा आवागमन शुरू होने के बाद बीएसएफ ने सीमावर्ती जिलों के किसानों को सीमा पार जाकर खेती करने की मंजूरी दे दी है। मंगलवार को किसानों ने बीएसएफ के जवानों के साथ फेंसिंग पार जाकर गेहूं कटाई की और भूसा एकत्र किया। दरअसल, पंजाब में फाजिल्का, फिरोजपुर, तरनतारन, अमृतसर, गुरदासपुर और पठानकोट जिलों में 2500 से 3500 एकड़ जमीन ऐसी है, जो तारबंदी इलाके में है। यहां किसान बीएसएफ किसान फोर्स की देखरेख में तारों के पार जाकर अपने खेतों में काम करते हैं। मंगलवार को बीएसएफ को जिन क्षेत्रों में हालात सामान्य लगे, वहां किसानों को अपनी फसल संभालने के लिए बॉर्डर पार जाने की अनुमति दी। किसानों ने बीएसएफ के जवानों की देखरेख में फेंसिंग पार जाकर गेहूं कटाई के बाद भूसा एकत्र किया। बीएसएफ सूत्रों के अनुसार किसानों को उनके वैध अधिकारों के तहत उनकी जमीन पर खेती करने की सुविधा देने के उद्देश्य से यह फैसला लिया गया है। फेंसिंग के पार खेती के लिए विशेष सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए गए हैं, ताकि किसान सुरक्षित तरीके से कृषि कार्य कर सकें। इन किसानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी बीएसएफ किसान फोर्स के जवान उठा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि भारत-पाकिस्तान तनाव के चलते सेना की तरफ से किसानों को अपनी फसल समेटने के लिए केवल दो दिन का समय दिया गया था। उस समय बहुत से किसानों की गेहूं की फसल कट चुकी थी, लेकिन वह उठा नहीं पाए थे। कई किसानों के खेत में भूसा रह गया था। अब हालात सामान्य होने के बाद किसानों को अपनी फसल समेटने तथा अगली फसल की तैयारी का मौका मिलेगा। पंजाब में धान रोपित करने का काम 15 मई से शुरू हो चुका है। जिसके बाद अब किसान जल्द ही तारों के पार भी धान लगा सकते हैं।

### हत्या की कोशिश के मामले में सजायाफ्ता 12 तृणमूल नेताओं को हाई कोर्ट से मिली शर्तों के साथ अंतरिम जमानत, लेकिन अभी जेल से रिहाई नहीं

**कोलकाता।** अपनी ही पार्टी के एक कार्यकर्ता की हत्या की कोशिश के मामले में सजायाफ्ता तृणमूल कांग्रेस के 12 नेताओं को कलकत्ता हाई कोर्ट ने मंगलवार को अंतरिम जमानत प्रदान कर दी है। हालांकि, इन नेताओं की तत्काल जेल से रिहाई नहीं हो पाएगी क्योंकि कोर्ट ने जमानत को कुछ शर्तों के साथ मंजूर किया है। इस मामले की सुनवाई हाई कोर्ट के जस्टिस देवांशु बसाक और जस्टिस मोहम्मद सब्बर रशीदी की खंडपीठ ने कोर्ट रूम नंबर 26 में की। दोषियों की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता शेखर बोस ने पैरवी की, जिसके बाद कोर्ट ने अंतरिम जमानत देने का आदेश सुनाया। अदालती सूत्रों के अनुसार, इन 12 दोषियों को अस्थायी जमानत दी गई है। प्रत्येक को 10 हजार रुपये की राशि कोर्ट में जमा करनी होगी और महीने में एक बार बर्दवान के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) की अदालत में पेश होना अनिवार्य होगा। हाई कोर्ट के आदेश की प्रति सीजेएम कोर्ट में जमा करनी होगी। जब सीजेएम कोर्ट जेल प्रशासन को रिहाई का निर्देश देगा, तभी इन दोषियों को जेल से छोड़ा जाएगा। जिन 12 लोगों को अंतरिम जमानत मिली है, उनमें बर्दवान-1 पंचायत समिति के निर्माण विभाग के कर्माध्यक्ष मानस भट्टाचार्य, रायान-1 ग्राम पंचायत के प्रधान कार्तिक बाग, और रायान अंचल तृणमूल अध्यक्ष शेख जमाल सहित कई प्रमुख नेता शामिल हैं। अब सवाल उठ रहा है कि क्या पंचायत प्रधान और कर्माध्यक्ष जैसे पदों पर बने रहना इन दोषियों के लिए संभव होगा? इसको लेकर पंचायत मंत्री प्रदीप मजूमदार ने पहले ही जिला प्रशासन को दोषियों को पद से हटाने का निर्देश दे दिया है। यह मामला वर्ष 2017 का है, जब रायान-1 पंचायत के तत्कालीन सदस्य जीवन पाल के पिता देवू पाल पर पार्टी के ही एक गुट ने हमला किया था। इस हमले में उनकी एक आंख चली गई थी। इसके बाद तृणमूल की ब्लॉक अध्यक्ष काकली गुप्ता सहित 13 नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज हुआ। एक अप्रैल 2024 को बर्दवान की फास्ट ट्रैक कोर्ट-2 के जज अरविंद मिश्रा ने 13 में से 12 लोगों को 10 साल की सजा और जुमार्ने की सजा सुनाई थी, जबकि शारीरिक रूप से अस्वस्थ होने के कारण काकली गुप्ता को तीन साल की सजा दी गई थी। बाद में उन्हें जिला अदालत ने जमानत दे दी थी, जबकि बाकी 12 दोषियों को जेल भेजा गया था। इन सभी ने निचली अदालत के फैसले को हाई कोर्ट में चुनौती दी थी और साथ ही जमानत की मांग की थी, जिस पर अब हाई कोर्ट ने अंतरिम राहत दी है। पीड़ित के बेटे जीवन पाल ने कहा कि मामला अब हाई कोर्ट में लंबित है। कोर्ट ने अंतरिम जमानत दी है, इस पर कोई टिप्पणी नहीं करूंगा। हम हाई कोर्ट के अंतिम निर्णय का इंतजार कर रहे हैं।

### जालंधर में मुठभेड़ के बाद गैंगस्टर गिरफ्तार

**चंडीगढ़।** पंजाब पुलिस ने जालंधर के पास मुठभेड़ के बाद एक गैंगस्टर को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपित गैंगस्टर परमजीत सिंह पम्मा होशियारपुर का रहने वाला है और गैंगस्टर दिलप्रीत बाबा के गैंग से संबंधित है। पम्मा के खिलाफ पंजाब और हरियाणा में करीब 19 आपराधिक मामले पहले से ही दर्ज हैं। जालंधर देहात पुलिस के एसएसपी हरविंदर सिंह विर्क ने मंगलवार को बताया कि डीएसपी डिटेक्टिव इंद्रजीत सिंह की देखरेख में क्राइम ब्रांच की एक टीम बनाई गई थी। गैंगस्टर की गिरफ्तारी के लिए टीमें काफी समय से काम कर रहीं थी। सोमवार को देर रात पुलिस पार्टी को सूचना मिली कि परमजीत सिंह पम्मा निवासी गांव बिंजो (होशियारपुर) की जालंधर के आदमपुर के पास मूवमेंट देखी गई है। पुलिस ने तुरंत आदमपुर के पास ट्रैप लगाया। पुलिस ने जब उसे रुकने का इशारा किया तो उसने पुलिस पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश की और पुलिस को देखते हुए आरोपित ने सामने से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने आरोपित को वॉर्निंग दी और सरेंडर करने के लिए कहा गया। मगर उसने सरेंडर करने के बजाय गोलियां चलानी शुरू कर दीं। पुलिस पार्टी ने किसी तरह पीछे होकर अपने बचाई और फिर जवाबी फायरिंग शुरू कर दी गई। इस मुठभेड़ में आरोपित पम्पा घायल हो गया उसके उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

### बांग्लादेश की अभिनेत्री नुसरत फारिया के जेल से बाहर आने का रास्ता साफ, हत्या के प्रयास के केस में ढाका अदालत ने दी जमानत

**ढाका।** बांग्लादेश की मशहूर अभिनेत्री नुसरत फारिया के जेल से बाहर आने का रास्ता साफ हो गया। उन्होंने जेल जाने के 24 घंटे बाद ढाका की अदालत ने आज सुबह जमानत प्रदान कर दी। 31 वर्षीय फारिया को हत्या के प्रयास के एक केस में हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था। द डेली स्टार अखबार के अनुसार, फारिया के वकील मोहम्मद इफ्तिखार हुसैन ने कहा है कि ढाका की एक अदालत ने आज सुबह अभिनेत्री को जुलाई विद्रोह से जुड़े हत्या के प्रयास के एक मामले में जमानत दे दी। वकील हुसैन ने बताया कि ढाका के मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट मोहम्मद मुस्तफिजुर रहमान ने उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई के बाद यह आदेश पारित किया। कल उन्हें इस मामले के सिलसिले में जेल भेज दिया गया। अदालत ने कल जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए 22 मई की तारीख तय की थी, क्योंकि उनके वकील इफ्तिखार ने उनके यात्रा दस्तावेज प्रस्तुत किए और कहा कि वह नौ जुलाई से 13 अगस्त के बीच कनाडा में थीं, जब ढाका के भटारा इलाके में अपराध हुआ था। अभिनेत्री की गिरफ्तारी की कलाकारों और सांस्कृतिक हस्तियों, खासकर जुलाई के विद्रोह के दौरान मुखर रहे लोगों ने व्यापक आलोचना की थी। अभिनेत्री को कल सुबह करीब 10:00 बजे कड़ी सुरक्षा के बीच ढाका में मुख्य मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट की अदालत में ले जाया गया, इससे एक दिन पहले उन्हें हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान में चढ़ने से पहले गिरफ्तार किया गया था। वह थाईलैंड जा रही थीं। पिछले साल 19 जुलाई को भटारा में विरोध प्रदर्शन के दौरान गोली लगने से घायल इनामुल हक ने इस साल 27 मार्च को अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना, 17 अभिनेता-अभिनेत्री और 265 अन्य के खिलाफ अदालत में मामला दायर किया था। 29 अप्रैल को भटारा पुलिस स्टेशन के प्रभारी अधिकारी ने अदालत के निदेर्शानुसार इस पर प्राथमिकी दर्ज की थी। उल्लेखनीय है नुसरत फारिया का पूरा नाम नुसरत फारिया मजहर है। वह मॉडलिंग, गायन, टेलीविजन प्रस्तोता और रेडियो जॉकी के रूप में भी काम कर चुकी हैं। सोशल मीडिया पर नुसरत फारिया अकसर अपने लुक और पोस्ट की वजह से चर्चा में रहती हैं। दिलचस्प यह है कि नुसरत को 2023 की फिल्म 'मुजीब: द मेकिंग ऑफ ए नेशन' में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भूमिका निभाने के बाद प्रसिद्धि मिली। यह फिल्म बांग्लादेश के पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान के जीवन पर आधारित थी। 'मुजीब: द मेकिंग ऑफ ए नेशन' फिल्म भारत और बांग्लादेश के बीच एक संयुक्त उद्यम थी और इसे दिवंगत दिग्गज निर्देशक श्याम बेनेगल ने निर्देशित किया था। नुसरत ने 2015 में घालीवुड फिल्म 'आशिकी' से अपने अभिनय की शुरूआत की। इसमें उन्होंने प्रशंसित बंगाली अभिनेता अंकुश हाजरा के साथ स्क्रीन शेयर की। उन्होंने कई हिट फिल्मों में अभिनय किया।इनमें 'हीरो 420', 'बादशा- द डॉन', 'प्रेमी ओ प्रेमी' आदि शामिल हैं।

## करंट से एक व्यक्ति की मौत

**पलामू:** प्रमंडल के गढ़वा जिले मेराल थाना क्षेत्र के गोंदा गांव में सब्जी की खेती को नीलगाय से बचाने के लिए खेत के चारों तरफ लगाये गये विद्युत प्रवाहित नंगा तार की चपेट में आने से मंगलवार की सुबह में एक अधेड़ की मौत मौके पर ही हो गई। जबकि मृतक का बड़ा भाई बाल बाल बच गए। जानकारी के अनुसार गोंदा गांव में लाईन होटल के बगल में सब्जी की खेती को नीलगाय से बचाने के लिए विद्युत प्रवाहित नंगा तार लगाया गया था, जिसकी चपेट में झूमेलवा टोला के नंदू कुशवाहा (45 ) की मौत घटनास्थल पर ही हो गई, जबकि मृतक का बड़ा भाई लोकी महतो बाल बाल बच गए। लोकी महतो के अनुसार दोनों भाई एक साथ लाइन होटल से चाय पीकर खेत के रास्ते अपने घर जा रहे थे।

## आम लोगों के लिए खुला रॉक गार्डन

**गुमला:** जिला मुख्यालय स्थित लोहरदगा रोड गुमला में रॉक गार्डन दुन्दुरिया गुमला में पुनः नागरिकों के लिए मनोरंजन हेतु खोल दिया गया है। सभी नगरवासी रॉक गार्डन अवश्य पधारें, वहाँ की प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लें और बच्चों के लिए झूले एवं अन्य मनोरंजन सुविधाओं का लाभ उठाएं। पार्क में सभी आयु वर्ग के लोगों के लिए उपयुक्त मनोरंजन के साधन उपलब्ध हैं। नगर परिषद आप सभी से अपील करती है कि पार्क का उपयोग स्वच्छता एवं नियमों का पालन करते हुए करें।

## उपद्रवियों ने पेट्रोल टैंकर से तेल सड़क पर बहाया,एक गिरफ्तार, टला बड़ा हादसा

**जामताड़ा:** जिले में सोमवार रात एक बड़ा हादसा होने से टल गया। दरअसल यहां बदमाशों ने पेट्रोल पंप परिसर में खड़ी एक टैंकर करीब 8 हजार लीटर पेट्रोल बहा दिया। वहीं इस घटना ने पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल कायम कर दिया। पेट्रोल टैंकर से 8 हजार लीटर तेल बहायाः मिली जानकारी के अनुसार, घटना मिहिजाम थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच-419 पर स्थित गोरायनाला के पास की है। बताया जा रहा है कि कार में सवार होकर कुछ लोग आए। फिर गोल बायो ऑयल पेट्रोल पंप परिसर में खड़ी एक टैंकर के दोनों ड्रेन नोजल खोल दिए। जिसके बाद भारी मात्रा में पैट्रोल बह गया है। बताया जा रहा है कि लगभग 8 हजार लीटर पैट्रोल बह गया। वहीं जब आरोपी वारदात को अंजाम दे भागने लगे तभी एक को दबोच लिया। गनीमत रही बारिश होने की वजह से एक बड़ा हादसा टल गया। पेट्रोल पंप मालिक ने पकड़े गए आरोपी को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। फिलहाल पुलिस की गंभीरता से जांच कर रही है और इस घटना में संलिप्त अन्य आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

## झारखंड में वज्रपात से 5 की मौत, 6 घायल

**गढ़वा/हजारीबाग:** झारखंड के दो जिलों में सोमवार को आकाशीय बिजली गिरने से पांच व्यक्तियों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि गढ़वा जिले के मेराल में तीन व्यक्तियों की मौत होने की सूचना है, जबकि हजारीबाग के कटकमसांडी और गिद्दी में दो लोगों की मौत हुई है। मेराल थाना प्रभारी विष्णु कांत ने बताया कि जिले के कुछ गांवों में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में कम से कम 5 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया, घायलों को सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गढ़वा में मृतकों की पहचान तरुण कुमार देव (18), शंभू बैठा (65) और धर्मेंद्र राम (35) के रूप में हुई है। पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि हजारीबाग में मौतें असधीर गांव और रबोध पंचायत में हुईं। मौसम विभाग ने झारखंड के कुछ हिस्सों में ओलावृष्टि और आकाशीय बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया था। बता दें कि पिछले सप्ताह चाईबासा में नक्सल रोधी अभियान के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 46 वर्ष के एक कर्मी की मौत हो गई थी और तीन अन्य घायल हो गए थे।

### उपायुक्त ने निरासी पंचायत के जमटी गांव का किया दौरा

# ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान का दिया आवश्यक निर्देश

### पूर्व में उग्रवादियों का गढ़ माना जाता था उक्त क्षेत्र

**संवाददाता**

**गुमला:** उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी द्वारा क्षेत्रीय भ्रमण के क्रम में आज बिशुनपुर प्रखंड अंतर्गत निरासी पंचायत स्थित जमटी गांव के बुकी कोना टोला का दौरा किया गया। इस सुदूरवर्ती गांव में पहड़िया जाति के लगभग 15 परिवार रहते हैं। इस दौरान उपायुक्त ने गांव में आधारभूत सुविधाओं का जायजा लिया एवं ग्रामीणों से सीधा संवाद कर क्षेत्र की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्राप्त की।

इस क्रम में ग्रामीणों ने उपायुक्त को बताया कि गांव में आधारभूत सुविधाओं की कमी है। गांव में सड़क की समस्या है। कच्ची सड़क है , जिससे कि बरसात के दिनों में ग्रामीणों को आवागमन में काफी परेशानी होती है। इसके साथ ही यहां एक भी जलमीनार या चापाकल नहीं है। जिससे कि ग्रामीणों को पेयजल की समस्या होती है। गांव में बिजली की भी समस्या है। पोल लगा हुआ है लेकिन उसमें अबतक तार और कनेक्शन नहीं दिया गया। इन सभी समस्याओं को सुनते हुए उन्होंने यथाशीघ्र सभी संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

इसके अतिरिक्त, ग्रामीणों ने पेंशन योजना, राशन तथा आवास निर्माण से जुड़ी समस्याओं को भी साझा किया। उपायुक्त ने इन समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। विशेष रूप से अधूरे आवास निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा कराने का निर्देश दिया गया। जॉब कार्ड के सम्बन्ध में भी ग्रामीणों से जानकारी ली गई।

इस गांव के लोग जीविकोपार्जन हेतु बांस के उत्पाद सूप,टोकरी, झाड़ू इत्यादि बनाते हैं। इस संबंध में ग्रामीणों का उत्साहवर्धन करते हुए उपायुक्त ने कहा कि यहां के कारीगरों को बांस उत्पाद निर्माण का प्रशिक्षण दिलवाया जायेगा। जिससे कि ग्रामीणों को बेहतर अवसर मिल सकेगा। और वह बांस उत्पाद को और अच्छा बना पाएंगे।

राशन वितरण को लेकर उपायुक्त ने निर्देश दिए कि डाकिया योजना के तहत सभी परिवारों को उनके अंतिम पड़ाव तक राशन पहुँचाया जाए। इसके अलावा, मोबाइल मेडिकल वैन द्वारा लगाए जाने वाले स्वास्थ्य जांच शिविर में ग्रामीणों की भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया गया।

गांव की महिलाओं से एसएचजी ग्रुप के बारे में पूछने पर उन्होंने बताया कि, गांव की सभी महिलाएं एक एसएचजी ग्रुप से जुड़ी हैं। उपायुक्त ने ग्रामीणों से वन पट्टा की स्थिति की भी समीक्षा की।

ग्रामीणों ने बताया कि गांव से स्कूल भवन दो किलोमीटर दूर है। जिसके कारण गांव के बच्चे स्कूल नहीं जाते। इस संबंध में उपायुक्त ने प्रखंड विकास पदाधिकारी को निर्देशित किया कि गांव में बच्चों को साइकिल वितरण किया जाए। जिससे कि स्कूल की दूरी उनके शिक्षा में बाधा न बनें। उन्होंने सभी ग्रामीणों एवं बच्चों को शिक्षा के महत्व के बारे में बताया और स्कूल अवश्य जाने की बात कही। इसके साथ ही उन्होंने संबंधित पदाधिकारी को सभी बच्चों का जाति प्रमाण पत्र बनाने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने ग्रामीणों को हेल्पलाइन नंबर - 9431319825 की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह की समस्या होने पर हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर अपनी शिकायत दर्ज कराएं। आपकी समस्या का समाधान अवश्य किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए उपायुक्त ने ग्रामीणों को जागरूक किया और प्रखंड विकास पदाधिकारी, बिशुनपुर को निर्देशित किया कि सभी पात्र नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ सुनिश्चित किया जाए।

इसके पश्चात उपायुक्त ने आंगनवाड़ी केंद्र का भी दौरा कर वहां की स्थिति का जायजा लिया तथा वहां के बच्चों से मुलाकात कर उन्हें मिलने वाली सुविधाओं की भी जानकारी ली। साथ ही सहिया दीदी से पोषण ट्रैकर ऐप के सम्बन्ध में भी जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान मुख्य रूप से प्रखंड विकास पदाधिकारी बिशुनपुर, मुखिया,ग्राम प्रधान, पंचायत सेवक एवं अन्य सम्बंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहें।

# संदिग्ध परिस्थिति में एसबीआई कर्मी की मौत बाथरूम में मिला शव, जांच में जुटी पुलिस

**कोडरमा:** जिले के तिलैया थाना क्षेत्र में एक मकान से बैंककर्मी का शव बरामद किया गया है।

**बेटी के साथ मायके गई हुई थीं पत्नी:** पुलिस सूत्रों ने सोमवार को यहां बताया कि तिलैया थाना क्षेत्र में एक मकान से बैंककर्मी का शव बरामद किया गया है। बैंककर्मी विकास कुमार उक्त मकान में अपनी पत्नी एवं एक पुत्री के साथ रहते थे। उनकी पत्नी व पुत्री 5 दिनों पूर्व ही मायके गई हुई थी। इधर, सोमवार को जब बैंक के स्टाफ द्वारा लगातार कई बार विकास को फोन लगाया गया तो विकास द्वारा फोन रिसीव नहीं किए जाने के पश्चात एक बैंक कर्मी उनके घर पहुंच गए। यहां आकर जब उन्होंने विकास को आवाज लगाई तो उनके द्वारा दरवाजा नहीं खोला गया। जिसपर

उन्हें संदेह हुआ और उन्होंने इसकी सूचना बैंक के वरीय अधिकारियों को दी। जिसके पश्चात इसकी सूचना तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार को दी गई।

**बाथरूम में मिला शव:** तिलैया थाना प्रभारी विनय कुमार ने बताया कि हमने इसकी सूचना वरीय पदाधिकारी को देते हुए एक मजिस्ट्रेट की मांग की। जिसके पश्चात मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में उक्त आवास का दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया गया। अंदर देखा कि विकास कुमार अपने बाथरूम में गिरे पड़े थे और उनकी मौत हो चुकी थी। इसके पश्चात हमने शव को कब्जे में लेते हुए उसे पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल कोडरमा भेज दिया। घटना की जानकारी मृतक के परिजनों को दे दी गई है।

**बैंककर्मी विकास कुमार मूलतः** बिहारशरीफ के थे निवासी विकास के भाई सोनू कुमार ने बताया कि उनकी उनके भाई से आखिरी बार रविवार को अपराह्न करीब 3 बजे बात हुई थी। उसके बाद रात को 8 बजे जब उन्हें फोन किया तो उन्होंने नहीं उठाया। फिर सोमवार की सुबह भी उन्हें फोन किया गया लेकिन उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया। जिसके पश्चात करीब 11 बजे हमें बैंक के कर्मियों द्वारा फोन कर झुमरीतिलैया बुलाया गया। पहुंचने पर पता चला कि उनकी मृत्य हो गई है। उन्होंने बताया कि इनके भाई को डायबिटीज, बीपी सहित कुछ अन्य बीमारियां भी थी जिसका इलाज चल रहा था। ज्ञात हो कि विकास मूलतः बिहारशरीफ के रहने वाले हैं। अभी 6 महीने पूर्व ही उन्होंने चंदवारा में बतौर कैशियर प्रभार ग्रहण किया था।

### वर्ल्ड स्ट्रोक अवेयरनेस मंथ

## समय पर सही इलाज से कैसे जान बचाई जा सकती है , एक मरीज की रिकवरी ने बताया

**नई दिल्ली:** पिछले साल 69 साल की एक महिला को स्ट्रोक आने के बाद वह बेहोशी जैसी हालत में चली गईं। वह किसी बात का जवाब नहीं दे रही थीं, शरीर नहीं हिला पा रही थीं, और उन्हें देखकर ऐसा लग रहा था कि अब शायद कुछ नहीं हो पाएगा। उनके बेटे, जो विदेश से आए थे, को कई डॉक्टरों ने कह दिया कि अब सुधार की उम्मीद बहुत कम है।

आज वही महिला बैठ सकती हैं, बातों को समझ सकती हैं और इशारों में जवाब भी देती हैं। यह कोई चमत्कार नहीं है, यह सही समय पर शुरू हुए इलाज और लगातार मेहनत का नतीजा है।

यह कहानी वर्ल्ड स्ट्रोक अवेयरनेस मंथ के दौरान हमें यह समझाती है कि जैसे स्ट्रोक आने पर तुरंत इलाज जरूरी होता है, वैसे ही बाद में चलने-फिरने और जीने की क्षमता वापस लाने के लिए इलाज (रिहैबिलिटेशन) भी बहुत जरूरी है। जब बाकी अस्पतालों ने इलाज से हाथ खड़े कर दिए, तब उन्हें ल्उअल्ह में भर्ती कराया गया झ्र यह भारत का सबसे बड़ा रिकवरी और रिहैबिलिटेशन अस्पताल है। यहां उन्हें एक खास इलाज दिया गया जिसमें शरीर की हर जरूरत का ध्यान रखा गया। इस इलाज में कई तकनीकें शामिल थीं जैसे - अलग-अलग इंद्रियों को जगाना, ऑक्सीजन थेरेपी, रोबोट और वर्चुअल रियलिटी की मदद से इलाज।

**एचसीएएच के डॉक्टर गौरव ठुकराल ने कहा:** हमने देखा है कि कई मरीज इमरजेंसी के बाद ठीक से रिकवर नहीं कर पाते, क्योंकि रिहैबिलिटेशन समय पर शुरू नहीं होता। यह इलाज एक साइंस है, सिर्फ फिजियोथेरेपी नहीं। हमारे यहां हर इलाज डॉक्टर की सलाह और टाइमिंग से होता है। चाहे रोबोट से चलने की ट्रेनिंग हो, वर्चुअल रियलिटी हो या ऑक्सीजन थेरेपी झ्र ये सब सही जगह और विशेषज्ञों की देखरेख में ही असर दिखाते हैं।

**बीएलके मैक्स हॉस्पिटल के न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर वरुण रेहानी ने कहा:** हम अक्सर कहते हैं स्ट्रोक में वक्त की कीमत होती है। लेकिन वह जल्दी इलाज सिर्फ इमरजेंसी रूम तक ही सीमित नहीं होना चाहिए। स्ट्रोक के बाद के 90 दिन बहुत जरूरी होते हैं। इस समय अगर इलाज शुरू हो जाए तो रिकवरी जल्दी और बेहतर होती है।

**सर गंगाराम अस्पताल के डॉक्टर अरुणव शर्मा ने कहा:** जो मरीज होश में नहीं होते, उनके लिए लोग अक्सर उम्मीद छोड़ देते हैं।

## झारखंड के मोहन रावत ने बढ़ाया देश का मान, माउंट एवरेस्ट पर फतेह हासिल कर फहराया तिरंगा

**जमशेदपुर:** टाटा स्टील एडवेंचर फाउंडेशन (टीएसएएफ) के वरिष्ठ प्रशिक्षक 52 वर्षीय मोहन रावत दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट के शिखर पर सफलतापूर्वक पहुंचे। शिखर की चढ़ाई 14 मई को शुरू की और 18 मई को पूरी कीः मिली जानकारी के मुताबिक मोहन रावत ने 18 मई को तड़के माउंट एवरेस्ट की चढ़ाई पूरी की और नीचे उतरने से पहले करीब 15 मिनट शिखर पर बिताए। उन्होंने खुद को परिस्थितियों से अनुकूल करने के लिए दो मई को माउंट लोबुचे ईस्ट (20,075 फीट) पर चढ़ाई की और फिर तीन मई को वह खुंबू क्षेत्र से ट्रैकिंग करते हुए एवरेस्ट आधार शिविर (17,500 फीट) पहुंचे। इस पर्वतारोही ने शिखर की चढ़ाई 14 मई को शुरू की और 17 मई को शिविर चार (26,400 फीट) पहुंचे। वह 18 मई को तड़के माउंट एवरेस्ट के शिखर पर पहुंचे। उनके साथ अनुभवी शेरपा गाइड लखपा शेरपा भी थे। इस अभियान में नेपाल स्थित एशियन ट्रेकिंग ने भी उनका सहयोग किया। बता दें कि रावत 20 से अधिक वर्षों से टीएसएएफ के साथ हैं और उन्होंने पर्वतारोहण, स्कीइंग और राफ्टिंग में व्यापक प्रशिक्षण लिया है। उन्होंने इससे पहले भी कई पर्वतों की चोटियां फतह की है। वह 2018 मिशन गंगा अभियान का हिस्सा थे, जिसे प्रधानमंत्री ने हरी झंडी दिखाई थी। वह बछेंद्री पाल के नेतृत्व में 2022 ट्रांस-हिमालयन अभियान में शामिल थे, जिसने 35 पर्वतीय दर्रों से 4,841 किलोमीटर की दूरी तय की थी।

# अनुबंध कर्मियों का महा-आंदोलन आज, सरकार को सौंपा 20 सूत्री मांगपत्र

### स्थायी नियुक्ति, स्वास्थ्य बीमा, ओल्ड पेंशन बहाली और समान वेतन प्रमुख मांगे

**संवाददाता**

**गुमला:** झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ ने राज्य सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन छेड़ने का ऐलान किया है। यह निर्णय महासंघ के कचहरी परिषद स्थित महासंघ कार्यालय में हुई बैठक में लिया गया। इस बैठक की अध्यक्षता कर्मचारी नेता मुरारी प्रसाद सिंह ने की। महासंघ ने बताया है कि राज्य भर के अनुबंध, मानदेय, दैनिक मजदूरी, सेवा आधारित एवं संविदा कर्मी 20 मई 2025 को महा-आंदोलन करेंगे। आंदोलन के दौरान राजधानी रांची से लेकर सभी जिला मुख्यालयों में जोरदार प्रदर्शन, धरना और घेराव किया जाएगा।

महासंघ की ओर से मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और मुख्य सचिव को भेजे जाने वाले ज्ञापन के द्वारा मांग किया जाएगा की राज्य के विभिन्न विभागों में वर्षों से कार्यरत हजारों कर्मचारी अब भी अस्थायी और शोषणपूर्ण स्थितियों में कार्य कर रहे हैं। न उन्हें न्यूनतम वेतन मिल रहा है, न भविष्य की सुरक्षा। जिससे कर्मचारियों में भारी

असंतोष व्याप्त है।

सरकार को दिया गया अल्टीमेटमः महासंघ ने स्पष्ट किया है कि यदि सरकार 20 मई तक अनुबंध कर्मियों की मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लेती, तो यह आंदोलन व्यापक और निर्णायक रूप लेगा। कर्मचारी सड़कों पर उतरकर सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे।

**महासंघ की प्रमुख 20 मांगें**

- तीन वर्ष या उससे अधिक समय से कार्यरत सभी अनुबंध कर्मियों को नियमित किया जाए।
- स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों की सेवा काल की गणना कर उन्हें स्थायी नियुक्ति दी जाए।
- छठे वेतन पुनरीक्षण समिति की अनुशंसा के तहत वर्ग 4 के कर्मियों को वर्ग 3 में समायोजित किया जाए।
- योग्य वर्ग 4 कर्मियों को पदोन्नति का लाभ देते हुए वर्ग 3 में पदोन्नत किया जाए।
- कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति की आयु सीमा न्यूनतम 65 वर्ष की जाए।
- स्वास्थ्य बीमा में देश के प्रतिष्ठित सरकारी और निजी अस्पतालों को जोड़ा जाए।
- सभी अनुबंध, आउटसोर्सिंग, निगम, बोर्ड, सहायिका, चालक आदि कर्मियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना लागू हो।
- दैनिक मजदूरी पर कार्यरत चालकों को रिक्त पदों पर वरिष्ठता के आधार पर स्थायी नियुक्ति दी जाए।
- बिहार सरकार की तर्ज पर झारखंड में भी लिपिकों को बिना लोक सेवा परीक्षा उत्तीर्ण किए एलडीसी/यूडीसी में समायोजित किया जाए।
- समान कार्य के लिए समान वेतन का नियम लागू किया जाए और इसके लिए कर्मचारी संगठनों से वार्ता की जाए।
- अनुभवी शिक्षकों को परिवीक्षा अवधि से मुक्त किया जाए और उनके सभी भत्ते यथावत बहाल किए जाएं।
- चार श्रम महिलाओं की नियुक्तियों पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए।
- ओल्ड पेंशन योजना को बहाल करते हुए एनपीएस कटौती की गई राशि वापस दी जाए।
- सभी विभागों में स्थानांतरण नीति को पारदर्शी और नियमबद्ध किया जाए।
- साहित्यिक विभाग के शिक्षकों और कर्मियों को समान कार्य के अनुरूप वेतनमान दिया जाए।
- सभी संवर्गों के कर्मियों को नियमितीकरण एवं पदोन्नति की स्पष्ट नियमावली के तहत लाभ दिया जाए।
- मुफस्सील कार्यालय के लिपिकों को सहायक पद पर समायोजित किया जाए और समाहरणालय संवर्ग में उन्हें सम्मानजनक स्थान मिले।
- सेवानिवृत्त कर्मियों को भी ओल्ड पेंशन योजना का लाभ दिया जाए।
- विभागीय कर्मियों के लंबित सेवा संबंधी मामलों का शीघ्र निष्पादन किया जाए।
- राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था को स्थिर और सशक्त बनाने के लिए कर्मचारियों के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार हो।

आंदोलन होगा ऐतिहासिकः महासंघ ने कहा है कि यह केवल वेतन या पद की लड़ाई नहीं, बल्कि सम्मान, सुरक्षा और भविष्य के लिए संघर्ष है। वर्षों की मेहनत और सेवा के बावजूद अनुबंध कर्मियों को न तो स्थायित्व मिला है और न ही गरिमा। इस बार संघर्ष को अंतिम परिणति तक पहुंचाया जाएगा। बैठक में भूषण कुमार,जितेंद्र महतो, ललन कुमार शाह, लोथे उरांव, सहदेव उरांव, अशोक कुमार पंडित, गंगा सागर ठाकुर, सीताराम साहू, सुधांशु भूषण मिश्रा, फुलझड़ी भगत, मनोरंजन कुमार, महेंद्र चौरसिया, अजय कुमार वर्मा, प्रकाश कुमार, हीरालाल साहू, विश्वनाथ भगत, जातरू खड़िया, रामनारायण पोद्दार सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।